तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय मुज़फ़्फ़रनगर
विद्यालय ई-पत्रिका
सत्र 2021-22

Ph No.: 0131-2620297
E-mail Id: kvmzn6@gmail.com
Website: muzaffarnagar.kvs.ac.in

संपादक मण्डल

मुख्य संरक्षक

श्री चंद्रशेखर आजाद

उपायुक्त,

के.वि.सं. , आगरा संभाग

संरक्षक

श्री ब्रिजेशपाल सिंह

प्राचार्य , के.वि. मुज़फ्फरनगर

प्रधान संपादक

ओम प्रकाश

स्नातकोत्तर शिक्षक

संपादक

1. श्री आदेश कुमार , स्नातकोत्तर शि.
2. श्रीमती संतोष कन्नौजिया, प्र.स्ना. शि.
3. श्रीमती शिखा, प्र.स्ना. शि.
4. श्री विनोद कुमार, प्र.स्ना. शि.
5. श्रीमती भावना शर्मा , प्र.स्ना. शि.
6. श्रीमती भारती कोली, प्र.स्ना. शि.
7. श्रीमती शैली, प्र.स्ना. शि.
8. सुश्री निधि, प्रा. शि.
9. सुश्री वैशाली, संविदा शि.

विद्यार्थी संपादक

1. कु. मोहिनी सिंह 12 'अ'
2. कु. मनस्वी चौधरी 12 'ब'
3. कु. नैना 11 'अ'
4. कु. शाहीन 11 'ब'

साज सज्जा एवं कवर

श्री दुष्यन्त कुमार

श्री दीपक शर्मा

चंद्र शेखर आज़ाद

उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

आगरा संभाग, आगरा

संदेश.....

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर अपनी वार्षिक ई-पत्रिका 2021-22 का प्रकाशन करने जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका वह दर्पण होती है जिसके द्वारा विद्यालय के चहुँमुखी विकास की जानकारी समाज को होती है |

पत्रिकाएँ छात्र- छात्राओं एवं शिक्षकों में निहित प्रतिभा और रचनात्मक क्षमता का विकास करती है और उनमें नव उर्जा के साथ आत्मविश्वास का भी संचार करती है | नव – निहाल बच्चों की लेखनी से निकली नवीन रचनाएँ अपने – अपने शब्द रंगों से आलोकित होकर विद्यालय गुलशन को और अधिक महकाती है | मुझे विश्वाश है कि यह पत्रिका विद्यालय के विद्यार्थियों के लेखन एवं साहित्यिक प्रतिभा के साथ – साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक सिद्ध होगी |

पत्रिका के प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ |

उपायुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
आगरा संभाग, आगरा

के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

चंद्र भूषण सिंह आई. ए. एस.

जिला मजिस्ट्रेट
एवं
अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति
केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर

संदेश.....

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य छात्र-छात्राओं का शारीरिक एवं मानसिक विकास करते हुए समाज का संवेदनशील नागरिक बनाना है। यह तभी संभव हो सकता है, जब उनको व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाकलापों में प्रतिभागिता हेतु अवसर दिया जाता है। मुझे बेहद प्रसन्नता है कि केन्द्रीय विद्यालय मुज़फ़्फ़रनगर वार्षिक ई-पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों में सृजनात्मक कौशल के विकास हेतु सक्रिय है। विद्यालय का यह प्रयास विद्यार्थियों को रचनात्मकता की ओर ले जायेगा, जहाँ कविता, कहानी, निबंध, यात्रा साहित्य, अनुच्छेद लेखन एवं चित्रकला का सृजन होगा। विद्यालय ई-पत्रिका निश्चित रूप से विद्यार्थियों की अंतर्निहित योग्यताओं का प्रतिबिंब होगी।

विद्यालय के प्राचार्य, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षार्थियों को विद्यालय ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन की असीम-अनंत शुभकामनाएँ ।

स्वामी विवेकानंद जी के शब्दों में –

"उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए|"

चंद्र भूषण सिंह आई.ए.एस
अध्यक्ष, वि.प्र.समिति
के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

संदीप भागिआ आई .ए.एस.

मुख्य विकास अधिकारी
एवं
नामित अध्यक्ष , विद्यालय प्रबंधन समिति
केंद्रीय विद्यालय मुज़फ्फ़रनगर

संदेश.....

विद्यालय पत्रिका विद्यालय गतिविधियों का प्रतिबिंब होती है। विद्यालय सक्रियता एवं रचनात्मकता की झलक देखने को मिलती है। विद्यालय पत्रिका बच्चों को अपनी प्रतिभा , योग्यता एवं रचनात्मकता की अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करती है।

बच्चे विभिन्न गतिविधियों (कविता, कहानी, एकांकी , संस्मरण, निबंध, अनुच्छेद, अनुभव, ड्रॉइंग, पेंटिंग, कार्यानुभव , नवीन प्रयोग) के माध्यम से अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का परिचय देते हैं। विद्यालय द्वारा पत्रिका का ई-प्रकाशन कागज़ की बचत एवं पेड़ संरक्षण की दृष्टि से सराहनीय प्रयास है। विभिन्न माध्यमों में बच्चों के मनोभावों की सृजनात्मक, कल्पनात्मक एवं कलात्मक अभिव्यक्ति सराहनीय होगी ।

मैं ऐसी आशा करता हूं कि बच्चों की यही सृजनात्मक शक्ति भविष्य में समाज सेवक, चिंतक, वैज्ञानिक ,चिकित्सक, कवि –लेखक के रूप में उभरकर देश प्रगति में सहायक सिद्ध होगी ।

विद्यालय के प्राचार्य, संपादक मंडल, सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को विद्यालय ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन की अनंत शुभकामनाएँ ।

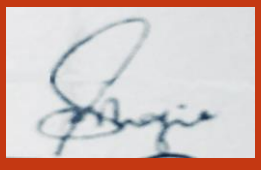

संदीप भागिआ आई .ए .एस.

मुख्य विकास अधिकारी एवं
नामित अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति
केंद्रीय विद्यालय मुज़फ्फ़रनगर

के.वि.मुज़फ्फ़रनगर

ब्रिजेशपाल सिंह
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर

संदेश.....

प्रसन्नता का विषय है कि सत्र 2021-22 की विद्यालय पत्रिका का ई- प्रकाशन करते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूं। यह पत्रिका बाल कलाकारों एवं शिक्षाविदों की भावनाओं, विचारों एवं अंतर्निहित क्षमताओं का साकार स्वरूप है। विद्यालय पत्रिका विद्यालय की शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक विभिन्न गतिविधियों का दर्पण होती है। विद्यार्थियों को अधिगम के समान अवसर उपलब्ध कराना एवं उनमें निहित योग्यताओं का विकास करने के लिए विद्यालय अनवरत प्रयत्नशील है। आज का विद्यार्थी आने वाले कल का आदर्श नागरिक है , राष्ट्र का गौरव है । अतः शिक्षार्थियों का सर्वांगींण विकास करना हमारा प्रथम कर्तव्य है।

विद्यालय पत्रिका का उद्देश्य शिक्षार्थियों की सृजनात्मक क्षमताओं एवं योग्यताओं को मंच उपलब्ध कराना है । प्रस्तुत पत्रिका में प्रकाशित बाल रचनाकारों की रचनाएं निश्चित रूप से हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी साहित्य की विभिन्न विधाओं का रसपान कराने में सक्षम होंगी।

विद्यार्थियों की सृजनात्मक शक्ति संवेदन शीलता, कल्पना, एकता ,राष्ट्र प्रेम एवं विश्व बंधुत्व की भावना से समन्वित है। छात्र-छात्राओं की अप्रतिम प्रस्तुतियों गतिविधियों एवं कलाकृतियों को सभी सुधी पाठकों की सहज संवेदना स्वरूप स्नेह सुलभ होगा , ऐसा मेरा सहज विश्वास है।

विद्यालय ई- पत्रिका के प्रकाशन में जिन शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग रहा है, वे सभी साधुवाद के पात्र हैं। सभी शिक्षार्थियों को सुन्दर,सुखद,सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं ।

कबीरदास जी के शब्दों में –
"जिन खोजा तिन पाईया, गहरे पानी पैठ ।
मैं बौरा डूबन डरा, रहा किनारे बैठ ।।"

प्राचार्य/Principal
केन्द्रीय विद्यालय
Kendriya Vidyalaya
मुजफ्फरनगर (उ० प्र०)
Muzaffarnagar (U.P.)

बृजेशपाल सिंह
प्राचार्य

ओम प्रकाश गोस्वामी

स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)
केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर

संपादक की कलम से.....

विद्यालय पत्रिका शिक्षण एवं शिक्षणेतर विद्यालयी क्रियाकलापों का प्रतिबिंब होती है, जिससे विद्यार्थियों की शारीरिक एवं मानसिक दक्षताओं का पता चलता है। विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति, सृजनात्मकता एवं संवेदनशीलता के भाव का विकास कर उनको समुचित दिशा प्रदान करते हुए समाज का आदर्श नागरिक बनाना है।

प्रस्तुत पत्रिका में विद्यार्थियों ने हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी भाषा में साहित्य की विभिन्न विधाओं जैसे कि कहानी, कविता ,अनुच्छेद, यात्रा साहित्य, पर्यावरण परक लेख / रचना द्वारा रचनात्मकता का परिचय दिया है, जिनसे सहयोग, सम्मान, स्नेह, सत्य , स्वच्छता,पर्यावरण संरक्षण, एकता, अखंडता, करुणा, अहिंसा , भाईचारा एवं देश प्रेम की भावना का संदेश मिलता है।

मैं सुधी पाठकों से अनुरोध करना चाहूंगा कि रचनाओं को पढ़कर उनमें निहित संवेदनाओं को अंगीकार करते हुए त्रुटियों को नज़र अंदाज कर बाल कलाकारों को अपना शुभाशीष प्रदान करें।

अंत में, मैं प्राचार्य महोदय श्री ब्रिजेश पाल सिंह जी का हार्दिक साधुवाद करता हूं,जिनका समय-समय पर समुचित मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा । मैं संपादक मंडल एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का भी धन्यवाद ज्ञापन करता हूं ,जिनके अथक प्रयास से ई-पत्रिका प्रकाशन कार्य समय पर संभव हो सका।

सभी बाल कलाकारों का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन ।

ओम प्रकाश गोस्वामी
स्नातकोत्तर शिक्षक
(हिन्दी)

के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

विद्यालय के होनहार

SHAGUN XII A	RUDRASKH SWAMI XII A	KARTIK VASHISHTHA XII A
94.6% , 473/500 (SCIENCE)	94.4%, 472/500 (SCIENCE)	92.4%, 462/500 (SCIENCE)

MANASVI CHAUDHARY XII-B	GAURAV JOSHI XII-B	ARPIT TAYAL XII-B
94.2%, 471/500 (COMMERCE)	89%, 445/500 (COMMERCE)	87.2%, 436/500 (COMMERCE)
PRANAV KUMAR X-A	VAISHNAVI KUMARI X-B	KASHISH X-A
97.8%, 489/500	96%, 480/500	94.8%, 474/500

विद्यालय की विभिन्न गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

08 मार्च 2022

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमंते तत्र देवता ''

परीक्षा पर चर्चा

MINISTRY OF EDUCATION
GOVERNMENT OF INDIA
Pariksha Pe Charcha 2022
my GOV
मेरी सरकार

Certificate of Participation

This is to certify that

Abhishek

has successfully participated in Pariksha Pe Charcha 2022.
We appreciate your enthusiasm and valuable contribution to
PPC 2022! Keep participating!

Prof. Sridhar Srivastava
I/C Director, NCERT

MINISTRY OF EDUCATION
GOVERNMENT OF INDIA
Pariksha Pe Charcha 2022
my GOV
मेरी सरकार

Certificate of Participation

This is to certify that

Aman Kumar

has successfully participated in Pariksha Pe Charcha 2022.
We appreciate your enthusiasm and valuable contribution to
PPC 2022! Keep participating!

Prof. Sridhar Srivastava
I/C Director, NCERT

MINISTRY OF EDUCATION
GOVERNMENT OF INDIA
Pariksha Pe Charcha 2022
my GOV
मेरी सरकार

Certificate of Participation

This is to certify that

Aditya Gaur

has successfully participated in Pariksha Pe Charcha 2022.
We appreciate your enthusiasm and valuable contribution to
PPC 2022! Keep participating!

Prof. Sridhar Srivastava
I/C Director, NCERT

MINISTRY OF EDUCATION
GOVERNMENT OF INDIA
Pariksha Pe Charcha 2022
my GOV
मेरी सरकार

Certificate of Participation

This is to certify that

Bhavna

has successfully participated in Pariksha Pe Charcha 2022.
We appreciate your enthusiasm and valuable contribution to
PPC 2022! Keep participating!

Prof. Sridhar Srivastava
I/C Director, NCERT

योग दिवस

नाम → नेहा

A Healthy
OUTSIDE starts
from INSIDE
#Be the best
version of you!!

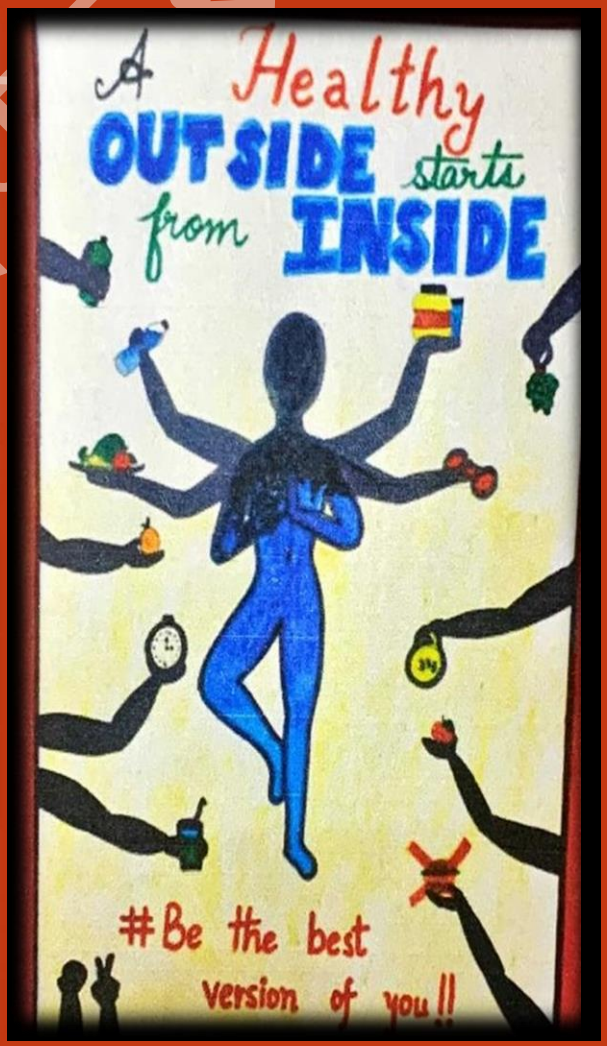

अनुराग गोस्वामी कक्षा 3A
केंद्रीय विद्यालय मुजफ्फरनगर
प्रथम पाली

हिन्दी अनुभाग

एक रोज़

आज तू बिखरा हैं, एक रोज़ तू निखरेगा ,
ढला हैं जो आज सूरज, कल सुबह निकलेगा।

माना तेरी मंज़िल इन लोहे की जंजीरो में हैं,
पर तेरी ही तपन से ये लोहा भी पिघलेगा।

मंज़िलों के रास्तों में कांटे तो सभी के हैं,
पर तेरे अंदर जुनून हैं, तो तू काँटों पर भी चलेगा।
माना आज तू बिखरा हैं, एक रोज़ तू निखरेगा।

हवाएँ विपरीत भले ही चलें, तू कदम कदम बढ़ेगा।
तुझे कल के लिए हैं तैयार होना, तू आज तो गिरेगा।

तेरी कोशिश देख हवाओं का रुख, एक रोज़ तो बदलेगा।
माना आज तू बिखरा हैं, एक रोज़ तू निखरेगा।
ढला हैं जो आज सूरज, कल सुबह निकलेगा।

मान्या
कक्षा 11 'अ'

मेरे माता पिता

माँ होती है माँ, माँ का कोई नाम नहीं
सभी दुखों को सहकर भी कहे
बेटा कोइ बात नही,
आँखों का दर्द में उनका समझता
दर्द का कोई दाम नहीं।
जिनके हाथों पर सर रखकर में सोया
पिता वो मेरे, मुझको बस उनका
आशीर्वाद ही सही
रहे सलामत मेरे माता पिता
जब तक इस धरती का अंश रहे।

मो अबूबकर खान
कक्षा 11 'ब'

के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

अहसास

बहुत कुछ है पर मैं बताने से डरती हूं,
मैं गुज़रे हुए उस जमाने से डरती हूं|
बहुत कुछ है जो जलता है अब,
आग जो लगी, दिखाने से डरती हूं|

निकल जाएगा मेरा दम एक रोज,
क्या है वजह, ये बताने से डरती हूं।
जीने से पहले, है ये मरने की आरजू,
क्यूँ है आख़िर समझाने से डरती हूं|

दोज़ख़ मैं बीते लम्हों की सौगात,
कतरों से है सब दिखाने से डरती हूं|
यूं न पूछा करो मेरे होने का सबब,
बेबुनियाद किस्सा सुनाने से डरती हू|
बहुत कुछ है पर बताने से डरती हू,
मैं गुज़रे हुए उस ज़माने से डरती हू॥

नूपुर
कक्षा 11 'ब'

दोस्ती

तुम मेरी राह मस्जिद में देखना
मैं तुम्हारी राह मंदिर में देखूंगा
तुम मेरे लिए नमाज पढ़ लेना
मैं तुम्हारे लिए हाथ जोड़ लूँगा
तुम मेरे लिए मस्जिद में चादर चढ़ा देना
मैं तुम्हारे लिए मंदिर में नारियल चढ़ा दूँगा
तुम मेरे अब्बू का खयाल रखना
मैं तुम्हारी माँ का खयाल रखूंगा
तुम इस रिश्ते को दुश्मनों से संभाले रखना
मैं इस रिश्ते को प्यार से संभाल रखूंगा|

देवान्शी चौधरी
कक्षा 11 'ब'

के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

हिम्मत

जो मुस्कुरा रहा है, उसे दर्द ने पाला होगा,
जो चल रहा है, उसके पाँव में छाला होगा,
बिना संघर्ष के इन्सान चमक नहीं सकता, यारों,
जो जलेगा उसी दिये में तो, उजाला होगा,
उदास होने के लिए उम्र पड़ी है,
नज़र उठाओ , सामने जिंदगी खड़ी है,
अपनी हँसी को होंठों से न जाने देना,
क्योंकि आपकी मुस्कुराहट के पीछे दुनिया पड़ी है|

देवान्शी चौधरी
कक्षा 11 'ब'

आज़ादी

पंछी है कैद अगर
तो उड़ने में कर मदद तू ।
रात है काली अगर,
दिया जला कर रौशन कर तू ।
बीत गए कई साल रूढ़िवादी विचारों में उलझ कर ,
सुलझा मन के भाव तू ।
औरत , आदमी या हो कोई बच्चा,
सबके जीवन का कर सम्मान तू ।
तोड़ दे दीवारें सारी,
आगे बढ़ विजई राह पर ।
उन वीरों ने क्या पाया,
अगर तू अब भी डर में खोया ।
उठ जा तू, छूले आसमान,
आजादी पे है सबका हक ।

भूमि शर्मा
कक्षा 11 'ब'

के. वि. मलकानगर

जिन्दगी इसी का नाम है

कभी सुबह कभी शाम है, कभी हँसी कभी गमों का जाम है,
जिन्दगी इसी का नाम है।
कभी सफर कभी इंतकाम है, जिन्दगी इसी का नाम है।

कभी छलक आते हैं निगाहों से मोती,
कभी बिखर जाती है लबों पर दिलकश हँसी,
हर घड़ी एक पैगाम हैं, हर लम्हा एक अंजाम है,
जिन्दगी इसी का नाम है।

कभी है औरों के साथ भी साया अपना,
कभी अपनों से भी तन्हा है, कभी प्यार मिले बेशुमार इतना,
कभी बेवफाइयों का सिलसिला है।

हर काफिला बन जाये मंजर,
कभी हर मंजर काफिला है, जिन्दगी इसी का नाम है,
कभी फूल का साथ है।

कभी काँटों की सौगात है, कभी ये खुशियों की फुलझड़ी
कभी दु:खों की बरसात है, जिन्दगी इसी का नाम है।

मो. रिहान यावर
कक्षा 11 'अ'

सैनिक

अगर मैं युद्ध क्षेत्र में मर जाऊं,
तो मुझे बॉक्स में बांधकर घर भेज देना।
मेरा पदक मेरे सीने पर रख देना,
मेरी मां को बताना कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया।
मेरे पिता से कहना कि झुको मत,
उन्हें अब मुझसे तनाव नहीं होगा।
मेरे भाई को अच्छी तरह से पड़ने के लिए कहना ,
चाबी मेरी बाइक की अब हमेशा के लिए उसकी होगी।
मेरी बहन को परेशान न होने के लिए कहना,
अब उसका भाई सूर्यास्त के बाद लंबी नींद लेगा।
मेरे देश से कहना कि रोना मत,
क्योंकि मैं मरने के लिए पैदा हुआ सैनिक हूं।

ज्योति
कक्षा 11 'ब'

के.वि. मुजफ्फरनगर

मैं आधुनिक नारी हूं!

मैं अबला नादान नहीं हूँ, दबी हुई पहचान नहीं हूँ।
मैं स्वाभिमान से जीती हूँ, रखती अंदर ख़ुद्दारी हूँ।।
मैं आधुनिक नारी हूँ।।

पुरुष प्रधान जगत में मैंने, अपना लोहा मनवाया।
जो काम मर्द करते आये, हर काम वो करके दिखलाया |
मैं आज स्वर्णिम अतीत सदृश, फिर से पुरुषों पर भारी हूँ।
मैं आधुनिक नारी हूँ।।

मैं सीमा से हिमालय तक हूँ, और खेल मैदानों तक हूँ।
मैं माता,बहन और पुत्री हूँ, मैं लेखक और कवयित्री हूँ
अपने भुजबल से जीती हूँ, बिजनेस लेडी, व्यापारी हूँ
मैं आधुनिक नारी हूँ।।

जिस युग में दोनों नरनारी-, कदम मिला चलते होंगे,
मैं उस भविष्य स्वर्णिम युग की, एक आशा की चिंगारी हूँ।
मैं आधुनिक नारी हूँ।

नैना धीमान
कक्षा 11 'स'

गिरना भी अच्छा है

गिरना भी अच्छा है,
औकात का पता चलता है।
बढ़ते हैं जब हाथ उठाने को,
अपनों का पता चलता है।

जिन्हें गुस्सा आता है,
वो लोग सच्चे होते हैं।
मैंने झूठों को अक्सर
मुस्कुराते हुए देखा है।

सीख रहा हूं अब मैं भी,
इंसानों को पढ़ने का हुनर ।
सुना है चेहरे पे किताबों
से ज्यादा लिखा होता है।

हरीश कुमार
कक्षा 11 'स'

माँ, अब मुझे तू फौजी बनने दे!

ये आग जलती है तो जलने दे...
माँ, अब मुझे तू फौजी बनने दे!
जाना है उस जगह...
जाना है उस जगह, जहाँ सुना है मन के मौजी बसते हैं।
बहुत देखली ये दुनिया
चल अब फौजी बनते हैं।।
बहुत जीली नाकाम ज़िंदगी...
चल, अब देश के लिए कुछ काम करते हैं।
फर्जी के रिश्तों में ज़िंदगी बर्बाद कर डाली,
चल, अब ज़िंदगी देश के नाम करते हैं।।
अब फौजी बनते है...
ये सरहदें पुकारती मुझको है,
ये आतंक की बदबू ललकारती मुझको है।
जब लिपट जाऊं तिरंगे में, तो मुझे आबाद कहना ।
मेरी माँ, पल्लू में छिपी हसीं तेरी बहुत प्यारी है,
इसलिए मुस्कुराते हुए अपने लाल को गुड बाय कहना।।
ये मोबाइल के स्टेटस देख देख के थक गया हूं।
बन जाऊ मैं भी सबका स्टेटस, खुदके इस वादे में बंध गया हूं।।
माँ के आँचल की खुशबू वैसे तो फीकी होती नहीं कभी,
पर इसमें थोड़ी सी मेरी वर्दी की खुशबू भी मिला दूं ना
तो दोनों जहां मिलते हैं ।
चल अब फौजी बनते हैं।।

कनिष्क चौधरी
कक्षा 11 'अ'

पहाड़ का दुख

देवदार, बांस या चीड़ जैसे पहाड़ के प्रतीक पेड़ ।
इन दिनों बहुत कम हैं यहां, मगर झरने बेशुमार हैं ।
कोई ऐसा, जैसे कोई अल्हड़ हंस दे दिल खोलकर,
बिन बात किसी की पतली धार ऐसी ।

जैसे आबादी से दूर कोई संन्यासी रो रहा हो सुबकसुबककर
कभी हुआ करते थे ये झरने स्रोत पानी के,
इन दिनों ये आंसू हैं पहाड़ के ।
उनका सीना चीर बनाई जा रही सड़कों पर,
अंधाधुंध दौड़ती गाड़ियों के शोर और धुओं से ,
इन दिनों हांफने लगे हैं पहाड़ ।

पिघल रहे हैं हिमखंड, उबल रही हैं नदियां जहां,तहां-
कभी झरनों और उबलती नदियों के मीठे पानी को
अंजुरी भरकर देखना, छलक कर बाहर आ जाएगा पहाड़ का दुख ।

भानु सैनी
कक्षा 11 'अ'

विरासत ए खालसा सिख धर्म का एक संग्रहालय है,जो भारत के पंजाब राज्य की राजधानी चंडीगढ़ के पास पवित्र शहर आनन्दपुर साहिब में स्थित हे। संग्रहालय सिख इतिहास के साल 500 ,वीं वर्षगांठ की खुशी में बनाया गया 300 और खालसा के जन्म की दसवें और अंतिम गुरु,गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा लिखित शास्त्रों के आधार पर। यह पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। इसके परिणामस्वरूप इमारत के वातावरण में धर्म और उभरती हुई जरूरतों के बीच परामर्श होता है। एक ओर यह स्थानीय लोगों द्वारा विरासत की भावना को पोषित करने के साथ-साथ हाथ के शिल्प को बढावा देता है, दूसरी ओर यह मौजूदा शहरीवाद के विशाल हस्तक्षेप से अनन्तता को याद करता हैजो दृश्यमान शहरीवाद से उत्पन्न दुविधा की एक अवस्था है |

वरेण्य वर्मा - कक्षा 7 'अ'

ऐ उम्र...!

ऐ उम्रकुछ कहा मैंने !..
कुछ कहा मैंने,
पर शायद तूने सुना नहीं..
तू छीन सकती है बचपन मेरा,
पर बचपना नहीं!!..
हर बात का कोई जवाब नहीं होता
हर इश्क का नाम खराब नहीं होता...
यूं तो झूम लेते है नशे में पीनेवाले
मगर हर नशे का नाम शराब नहीं होता...
खामोश चेहरे पर हजारों पहरे होते हैं
हंसती आँखों में भी जख्म गहरे होते हैं
जिनसे अक्सर रूठ जाते हैं हम,
असल में उनसे ही रिश्ते गहरे होते हैं...
किसी ने खुदा से दुआ मांगी
दुआ में अपनी मौत मांगी,
खुदा ने कहा, मौत तो तुझे दे दूँ मगर,
उसे क्या कहूं जिसने तेरी जिंदगी की दुआ मांगी...
हर इन्सान का दिल बुरा नहीं होता,
हर एक इन्सान बुरा नहीं होता।
बुझ जाते है दीये कभी तेल की कमी से...
हर बार कुसूर हवा का नहीं होता !!!

अर्पित तायल - कक्षा 12 'ब'

जीवन में आगे बढ़ने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें

ईश्वर का दिया कभी अल्प नहीं होता, जो टूट जाए वो संकल्प नहीं होता।
हार को लक्ष्य से दूर ही रखना, क्योंकि जीत का कोई विकल्प नहीं होता है।
जीवन का सबसे बड़ा अपराध-किसी की आँख में आँसू आपकी वजह से होना |
जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि-किसी की आँख में आँसू आपके लिए होना।
कभी भी कामयाबी को दिमाग में और नाकामी को दिल में जगह नहीं देनी चाहिए |
क्योंकि कामयाबी दिमाग में घमंड और नाकामी दिल में मायूसी पैदा करती है।

लक्षिका त्यागी
कक्षा 11 'ब'

आजादी का अमृत महोत्सव

महान स्वतंत्रता सेनानी श्री विनायक -दामोदर सावरकर

- वीर सावरकर के नाम से प्रख्यात ये एक महान स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी, समाजसुधारक, इतिहासकार, राष्ट्रवादी नेता तथा विचारक थे।
- वे एक वकील, राजनीतिज्ञ, कवि, लेखक और नाटककार भी थे।
- स्वतंत्रता आंदोलन में इन्होंने एक अहम भूमिका निभाई और राष्ट्रवाद का प्रसार किया।
- इन्होंने परिवर्तित हिंदुओं को अपने धर्म में वापिस लाने हेतु सतत प्रयास किए।
- उनके राजनीतिक दर्शन में उपयोगितावाद, तर्कवाद, प्रत्यक्षवाद,मानवतावाद, सार्वभौमिकता, व्यावहारिकता और यथार्थवाद के तत्व थे।
- वे एक तर्कबुद्धि व्यक्ति थेजो हर धर्म के रूढ़िवादी विश्वासों का विरोध करते थे ,।
- उन्होंने देश सेवा को ही ईश्वरसेवा माना और अपना तन मन राष्ट्र को समर्पित कर दिया।
- 1911 में इन्हें अंग्रेजों द्वारा काले पानी की सजा सुनाई गई किंतु सावरकर ने उस दौरान भी राष्ट्रभक्ति की भावना नहीं छोड़ी।

नैना - कक्षा 11 'अ'

शिक्षा का महत्व

हमारे जीवन में शिक्षा का होना बहुत आवश्यक है। शिक्षा के बिना हम जीवन में सफल नहीं हो सकते। शिक्षा एक ऐसा हथियार है जो संसार को बदल सकता है। शिक्षा हमारे अंदर आत्मविश्वास बढ़ाती है। शिक्षा हमें अच्छे- बुरे, सही- गलत का ज्ञान कराती है। शिक्षा के द्वारा ही हम देश के एक बेहतर नागरिक बन सकते है। देश का विकास एवं समृद्धि शिक्षा के द्वारा ही संभव है। शिक्षा के द्वारा समाज में फैली सभी बुराइयों को दूर किया जा सकता है।

अतुल वशिष्ठ - कक्षा 11 'ब'

के वि मुजफ्फरनगर

अहिल्याबाई होलकर

- जन्म - 31 मई 1725
- अहिल्याबाई होलकर मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी थीजिन्होंने जनसेवा के लिए अनेक, कार्य किए।
- वे मराठा साम्राज्य के सूबेदार मल्हारराव होलकर की पुत्रवधु थी।
- लगभग 12 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया और वे होलकर वंश की सदस्य बनी।
- बचपन से ही उनके मन में समाज के रीति रिवाजों एवं स्त्रीयों के साथ हो रहे भेदभाव के प्रति बहुत से सवाल थे।
- 29 वर्ष की आयु में ही ये विधवा हो गई। अहिल्याबाई ने सती होने का निर्णय लिया पर मल्हारराव के समझाने पर उन्होंने जीवित रहना स्वीकार किया।
- फिर 43 वर्ष की आयु में इनके पुत्र की भी मृत्यु हो गई। जीवन में इतने दुख आने पर भी अहिल्याबाई ने हार नहीं मानी।
- अहिल्याबाई भगवान शिव को अपना आराध्य मानती थी। माहेश्वर को राजधानी बनाकर उन्होंने वहां शासन किया।
- उन्होंने समाज की रीति के विरुद्ध शिक्षा प्राप्त की और स्त्री शिक्षा के प्रति अहम योगदान दिए।
- अहिल्याबाई ने अपने राज्य के बाहरी और भीतरी सीमाओं एवं प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर मंदिर बनवाए , घाट बनवाए, कुये और बावड़ियों का निर्माण किया।
- अहिल्याबाई ने काशी विश्वनाथ में शिवलिंग की स्थापना कराई , मार्ग बनवाए, भूखों के लिए भोजन और प्यासों के लिए प्याऊ बिठाई ताकि संस्कृति की रक्षा के साथ साथ जनसामान्य को आवश्यक सुविधाएं मिल सके।
- अहिल्याबाई ने स्त्री शिक्षा और स्त्रीयों के अधिकारों के लिए लोगों को जागरूक किया और समाज को एक नई दिशा दी।

नैना - कक्षा 11 'अ'

चुटकले

डॉक्टर युवती का वजन तोलने के बाद - आपको तुरंत अस्पताल में दाखिल हो जाना चाहिए।
युवती - क्यों डॉक्टर साहब ?
डॉक्टर - क्योंकि आपका वजन एक दिन में एक किलोग्राम कम हो गया है |
युवती - डॉक्टर साहब चिंता की कोई बात नहीं है। दरअसल कल मैंने मेकअप कर रखा था।

वैभव तोमर - कक्षा 6 'ब'

मौन की भक्ति

किसी गांव में एक झगडालु बुढिया रहती थी। वह रोज किसी न किसी गांव वाले से लडा़ करती थी। सभी गांववाले उससे परेशान हो गये थे । एक दिन गांववालो ने पंचायत बुलाई। पंचायत में बुढिया को भी बुलाया गया। पंचायत में निर्णय हुआ कि बुढिया बारी–बारी से एक घर को चुनेगी और उस गांव वाले से लड़ा करेगी ,जिससे गांववालो को पता हो क आज किसकी बारी है।

इस प्रकार रोज बुढिया बारी–बारी से लड़ने लगी। एक बार गांव के प्रधान के बेटे की भादी थी। भादी के बाद नई–नवेली दुल्हन का आगमन हुआ। उसी दिन प्रधान के घर की बारी थी। घर के सभी सदस्य परेशान हो गये कि अब क्या होगा। जब नई दुल्हन ने अपनी सास को परेशान देखा तो कारण पुछा कि क्या बात है ? आप इतनी परेशान क्यो है? कृप्या मुझे बताइये भायद मैं आपकी मदद कर संकु।

सास ने बुढिया के लडने वाली बात दुल्हन को बताई। दुल्हन ने कहा आप लोग परे”ान न हो। जब बुढिया आयेगी तो मुझे बता देना। थोडी देर मे ही बुढिया लडने के लिए आ गयी और बुरी तरह लडने लगी तभी दुल्हन ने लंबा सा घुंघट निकाला और दरवाजे की चौखट पर जा कर बैठ गयी।

अब जब भी बुढिया बोल कर थक जाती। दुल्हन उसे दोनो हाथो से अंगुठे दिखा देती। बुढिया फिर लडने लगती । बुढिया जैसे ही चुप होती दुल्हन फिर उसे दोनो हाथो से अंगुठे दिखा देती। बुढिया फिर लडने लगती|

इस प्रकार बुढिया बोल – बोल कर मर गई और सभी गांव वालो से झगडालु बुढिया से छुटकार मिला और शिक्षा मिली कि मौन में बहुत भाक्ति होती है|

लावण्या - कक्षा 5 ‘ब’

शिक्षा का मोल

शिक्षा है अनमोल ,जानो तुम इसका मोल ,
यह है एक ऐसा धन, नहीं सकेगा कोई तोल |
शिक्षा ही जीवन है ,शिक्षा ही है नीति ,
शिक्षा के बिना अधूरी जीवन की हर रीति ,|
जीवन के संस्कारों का,रिवाजों के उपहार का ,
शिक्षा ही है आधार ,सफलता के प्रमाण का |
सब मिलकर लगाओ शिक्षा का नारा,
ताकि सारा जहाँ हो हमारा |

हाईका तनवीर - कक्षा 5 ‘अ’

मां

मां की ममता ईश्वर का वरदान है,
सच पूछो तो मां इंसान नहीं, भगवान है।
मां के चरणों में जन्नत का हर रूप होता हैं ,
मां ईश्वर का स्वरूप होता है।

मां जो हर बच्चे की दिल की चाह होती है,
मुसीबत में एक नई राह होती है ,
जो हर किसी को नसीब नहीं होती ।
मां की अहमियत उनसे पूछो,
जिनकी मां नहीं होती ।

जो हर बच्चे की जान होती है,
हर रिश्ते की मान होती है,
सभी का एकमात्र आसमान होती है ।
हर किसी को मां की ममता मिले ,
अपनी मां से कभी कोई ना बिछड़े।

मेरी एकमात्र दुआ उस खुदा से,
जिनकी मां हो उसे क्या पता,
कि मां क्या होती है
मां को जानना है तो उनसे पूछो,
जिनकी मां नहीं होती है ।

मनस्वी चौधरी – कक्षा 12 'ब'

के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

मेरे पापा

मेरे पापा सबसे महान
मैं उनकी राज दुलारी, अँखियों का तारा,
अगले जन्म फिर मिलेंगे दोबारा,
जन्मजन्म का हो साथ हमारा।-
अपना सुख और दुख ना देखा,
की मेहनत मजदूरी ,
लगन रही सदा अपने बच्चों की।
हर इच्छा हो पूरी,
तोड़ कमर डयूटी पे अकसर ,
टाईम लगाकर रूखी सूखी रोटी खाकर,
फिर भी किया हम सब का गुजारा।
जिसके सर पे हाथ पिता का
क्या दुख से घबराना ।
पापा है बेटी की हिम्मत,
माँ है दुआ का खजाना।
पापा तो अनमोल रतन है,
पापा से बढ़कर कोई ना धन है।
पापा का कर्ज ना उतरेगा जिंदगी भर हमसे।
पापा की अगर डांट पड़े, तो सहजाना,
माता,पिता सदा सोचे भलाई दिलाना-
ना कि दिल दुखाना ।
पकड़ के ऊँगली चलना सिखाना ,
लाड लडाया कदम कदम पर-दिया है सहारा।
मेरे पापा सबसे महान, मैं उनकी राज दुलारी ।

दिया चौधरी - कक्षा 11 'ब'

क्रि.मा.पृ.

मिलकर कोरोना को हराना है

दूरी है दूरी है , अभी सबसे दूरी है।
पास न जाना तुम ,ये बेहद जरूरी है।
एक ही कमरे में , ये दुनिया पूरी है।
जान से भी ज्यादा, पैसा क्या जरुरी है।

मिलकर कोरोना को हराना है.....
घर से हमें कहीं नहीं जाना है।
हाथ किसी से नहीं मिलाना है।
चेहरे से हाथ नहीं लगाना है।
बार बार अच्छे से हाथ धोना है।

सेनेटाइज करके, देश को स्वच्छ बनाना है।
बचाव ही इलाज है, यह समझाना है।
कोरोना से हमकों नहीं घबराना है।
सावधानी रखकर कोरोना को मिटाना है,
देशहित में सभी को यह कदम उठाना है।

सौम्या भारद्वाज
कक्षा11 -ब

कविता

हम बच्चे बलवान बनेंगे।
मेहनतकश इंसान बनेंगे ।।
इस धरती पर जन्म लिया है ।
भारत मां की शान बनेंगे ।।
हाथों में फौलादी ताकत ।
लेकर हम चट्टान बनेंगे ।।
पर्वत जैसे ऊंचे उठकर भी ।
ना कभी अभिमान करेंगे ।।
सदा सुगंध लुटाने वाली ।
फूलों की मुस्कान बनेंगे ।।
नए राह पर चलने वाले ।
हम आंधी तूफान बनेंगे।।
हम बच्चे बलवान बनेंगे ।
मेहनतकश इंसान बनेंगे।।

सार्थक – कक्षा 6 'अ'

के.वि. मुजफ्फरनगर

उसे मम्मी कहो या मां

उसे मम्मी कहो या मां,
आई कहो या अम्मा,
मां के मुंह से निकला हुआ,
हर शब्द है लाड़ भरा चुम्मा।

बचपन से लेकर आज तक,
जब भी भूख से किया मैंने आ..
जिन हाथों ने मुझे खिलाया,
वो थी मेरी प्यारी मां।

हमसे पहले जागती है,
और हमसे बाद में सोती है,
हमें हमारी इच्छा पूरी करने के लिए,
भगवान से प्रार्थना करनी पड़ती है,
मां से कहना भी नहीं पड़ता है ,
और इच्छा पूरी हो जाती है।

तेरे कंगन की खनक,
मुझे लोरी लगती है,
तू हमेशा मेरे दिल में बसती है।

भगवान हर घर नहीं जा सकते,
इसलिए उन्होंने मां को बनाया,
मां तेरे कदमों में स्वर्ग उतर आया।

प्रियांशी चौहान
कक्षा 11 'ब'

के.वि. मुज़फ्फरनगर

माँ

मेरी माता न्यारी है ,लगती मुझको प्यारी है |
लाल गुलाबी नीले पीले, फूलों की वो क्यारी है |
मेरी मम्मी रानी है, बातें करती तूफानी हैं |
बात बात पर लाड लड़ाये, हम सब की वो जानी है |

मुहम्मद हदीद तनवीर
कक्षा 1 'ब'

कोरोना के दौरान बंद रहे स्कूलों पर एक कविता

एक मोड़ पर मुड़ते ही प्रख्यात एक विद्यालय था,
बच्चों को शिक्षित करने का एक बड़ा मुख्यालय था।
जहां पर घुसते ही अक्सर,
एक शोर सुनाई पड़ता था।
छात्रों की संख्या का ना कोई छोर दिखाई पड़ता था।
आज वहां घुसते ही ,
एक सन्नाटा सा छा जाता है।
भीतर जाने पर कोई ,
पहचान नहीं हो पाती है,
दो सीटों की बातचीत की,
ध्वनि कोनों तक आती है।
सीट बोली, कि सब बच्चे
अब घर पर ही रहते हैं।
कोरोना के डर से सारे
अब नेट पर ही पढ़ते हैं।
बहुत अधिक दिन बीत गए,
हम और नहीं सह सकते हैं,
अब तो कोविड मिट जाए,
बस यही कामना रखते हैं ।

प्रातुल वशिष्ठ – कक्षा 12 'अ'

के.वि. मुजफ्फरनगर

लेती नहीं दवाई "माँ"

लेती नहीं दवाई ,"माँ"
जोड़े पाई पाई माँ।"
दुःख थे पर्वत, राई ,"माँ"
हारी नहीं लड़ाई माँ" ।

इस दुनियां में सब मैले हैं,
किस दुनियां से आई माँ" ।
दुनिया के सब रिश्ते ठंडे,
गरमागर्म रजाई "माँ"

जब भी कोई रिश्ता उधड़े,
करती है तुरपाई "माँ"
बाबू जी तनख़्वा लाये बस,
लेकिन बरक़त लाई "माँ"

बाबूजी थे सख्त मगर ,
माखन और मलाई "माँ"
बाबूजी के पाँव दबा कर,
सब तीरथ हो आई "माँ"

नाम सभी हैं गुड़ से मीठे,
मां जी, मैया माई "माँ। "
सभी साड़ियाँ छीज गई थीं,
मगर नहीं कह पाई "माँ"

घर में चूल्हे मत बाँटो रे,
देती रही दुहाई "माँ"
बाबूजी बीमार पड़े जब,
साथसाथ- मुरझाई मां

रोती है लेकिन छुप,छुप कर-
बड़े सब्र की जाई "माँ"
लड़ते लड़ते-सहते,सहते-
रह गई एक तिहाई "माँ"

बेटी रहे ससुराल में खुश,
सब ज़ेवर दे आई "माँ"
"माँ से घर " घर लगता है,
घर में घुली समाई "माँ"

बेटे की कुर्सी है ऊँची,
पर उसकी ऊँचाई "माँ"
दर्द बड़ा हो या छोटा हो,
याद हमेशा आई "माँ"

पायल राठी – कक्षा 7 'ब'

कवि मन:प्रभा

खामोशी

मासूम आवाजें है करोड़ों,
पर शब्द हैं सिर्फ मेरे।
मेरे शब्दों में समझना उनकी कशमकश,
क्यों लगे हैं शब्दों पर पहरे ?
नाजाने कहाँ गुम हो गए,
वो खिलखिलाते चेहरे।

पहले मैं सबसे कहा करती थी,
काम पर क्यों न जाए रात में ,
क्यों जाए सिर्फ सवेरे ?
पर आज कल मेरी रूह मुझसे कहा करती हैं,
कौन है ये, क्यों तू इसके ज़ुल्म सहा करती हैं?
हिम्मत नहीं है मुझमें कि बता दूँ उस नादाँ को,
कि क्यों अब मेरे भीतर सिर्फ खामोशी रहा करती हैं?

समीक्षा - कक्षा 12 'अ'

कोई अर्थ नहीं

नित जीवन के संघर्षों से जब टूट चुका हो अन्तर्मन,
तब सुख के मिले समन्दर का रह जाता कोई अर्थ नहीं ।
जब फसल सूख कर जल के बिन, तिनका तिनका बन गिर जाये,
फिर होने वाली वर्षा का रह जाता कोई अर्थ नहीं ।
सम्बन्ध कोई भी हो लेकिन यदि दु:ख में साथ न दें अपना,
फिर सुख में उन सम्बन्धों का रह जाता कोई अर्थ नहीं।
छोटीछोटी खुशियों के क्षण निकले जाते हैं रोज जहाँ-,
फिर सुख की नित्य प्रतीक्षा का रह जाता कोई अर्थ नहीं।

मन कटुवाणी से आहत हो भीतर तक छलनी हो जाये,
फिर बाद कहे प्रिय वचनों का रह जाता कोई अर्थ नहीं ।
सुखसाधन चाहे जितने हों पर काया रोगों का घर हो-,
फिर उन अगनित सुविधाओं का रह जाता कोई अर्थ नहीं ।

मान्या जौहरी
कक्षा 8 -'अ'

मेरा भारत

भारत को स्वच्छ बनाना है।
इस जहां में हिंद को श्रेष्ठ कहलवाना है।
झगड़ते रहते हैं भाई हिंदू, मुस्लिम कहकर-
हर भारतीय को हमें एक बनाना है।
आग में झोंक दो सारी कुरीतियों को,
गरीबी से देश का पीछा छुड़वाना है।
एकता का प्रतीक तो हमें कहा जाता है,
बस खुद को पवित्रता की देवी बनाना है।
सुबह उठकर जो बच्चे काम पर जा रहे हैं,
बस उनके हाथों में किताब को लाना है।
प्रगतिशील है देश हमारा,
बस उसे अब विकसित बनाना है ।
स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत,
इस विश्व में अग्रणी भूमिका में लाना है।

नाजिया – कक्षा 7 'ब'

जादुई पेड़

एक बार की बात है। एक गांव में दो भाई रहते थे । एक का नाम केशव और दूसरे का सोहन । केशव एक मेहनती और ईमानदार किसान था ।सोहन एक लालची व्यापारी , लेकिन अमीर था। सोहन केशव को सताता था। केशव रोज़ अपने खेत के पास वाले एक सूखे हुए पेड़ को पानी देता, कुछ महीनों बाद वह पेड़ हरा भरा हुआ। यह देखकर केशव बहुत खुश हुआ ।पेड़ के हरे भरे होने के अगले दिन केशव रोज़ की तरह खेती करने आया । तभी केशव को एक आवाज़ सुनाई दी केशव", केशव ज़रा इधर आओ ।" केशव उस आवाज की तरफ गया तो उसने देखा कि यह आवाज़ तो उसी पेड़ की है, जिसको वह पानी देता था। केशव आश्चर्यचकित रह गया कि पेड़ कैसे बोल सकता है। पेड़ बोला "मैं एक जादुई पेड़ हूं" , तुमने मुझे फिर से पहले जैसा हरा भरा बना दिया है। मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूं। मैं तुम्हें एक पैसों से भरा थैला देता हूं। ये पैसे ले जाओ और अपनी गरीबी दूर करो ,यह तुम्हारे कर्मों का ही परिणाम है। केशव उस थैले को अपने घर ले जाता है। उसे वह थैला ले जाते हुए सोहन ने देख लिया। उसे जिज्ञासा हुई कि इस थैले में यह क्या ले जा रहा है। जैसे ही केशव अपने घर पहुंचा, उसने सारी बात अपने परिवार को बताई ।सोहन ने भी यह बात घर के बाहर छुपकर सुन ली ।वह भी चाहता था की उसे पैसे मिले ।सोहन उस जादुई पेड़ के पास गया और कहने लगा की हे",जादुई पेड़ ! जैसे आपने केशव को पैसे दिए मुझे भी दो जादुई पेड़ को पता था कि वह लालची है ",और केशव को सताता था । इसलिए उसने पैसों की जगह दो गुस्से वाले बैल छोड़ दिए । वे बैल सोहन के पीछे पड़ गए । इस तरह केशव खुशी खुशी जीने लगा , और साथ ही साथ सोहन को उसका सबक मिल गया। शिक्षा- हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए -

अनुपम गोस्वामी – कक्षा 5 'अ '

प्रकृति का संरक्षण

इन तरीकों से धरती को बचाएं...

- पहला कदम है पुनर्चक्रण। यानी ऐसी चीजों को खरीदो , जिसका दुबारा उपयोग संभव हो, जो प्रकृति में स्वयं सड़ गल जाए।
- जल की बचत करें। देखने में आया है कि पानी का दुरूपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। इंसान मुँह धोते समय नल को खोले रहता हैं, जिससे पानी बर्बाद होता रहता है। इसी तरह नहाने के समय भी इंसान फालतू पानी बहाता है।

- बिजली की बचत करें। जब आपका काम हो जाए तो बिजली से चलने वाले उपकरणों को बंद कर दें। इस तरह से बिजली और पैसे दोनों की ही बचत होगी।

- पौधे कई तरह से हमें फायदा पहुंचाते हैं। इसलिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं और इस धरती को हरा भरा बनाएं। साथ ही जंगलो को न काटें। -

- धूम्रपान न केवल आपके और आपके स्वास्थ्य के लिए हानि कारक है बल्कि यह पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाता है। इसलिए धूम्रपान नहीं करना चाहिए।

हरि शर्मा ब 7

शिक्षक

शिक्षक ज्ञान का है भंडार ।
उनके चरणों के आशीष से हम जीतेंगे हर बार ।।
शिक्षक की ज्ञान भरी बातेंकर देंगी नैया पार ।
उनके ज्ञान रूपी वरदान सेरोशन होता सारा संसार ।
कर लो अपने शिक्षक की भक्तिभवसागर से हो जाओगे पार।
मिलेगा ज्ञान ही ज्ञान तुमको, बदल जाएगा यह संसार ।।

अन्नया पाल - कक्षा 5 'ब'

के.वि. मुजफ्फरनगर

वक्त तुम्हारा है

वक्त तुम्हारा है, सपने भी तुम्हारे है ,
पूरे भी तुम को करने हैं।
माना डगर थोड़ी मुश्किल है, मगर नामुमकिन नहीं,
करना अभी है, समय यही है |
चाहे तो सोना बना दो , या सोने में बिता दो !

वंशिका गोडियाल – कक्षा 8 'अ'

मेरे शिक्षक मेरे आदर्श

माँ बाप से भी ऊंचा मान होता है,
भारत में शिक्षक का सम्मान होता है।
प्यार सेडांट से या कभी इंकार से ,,
शिष्यों के लिए शिक्षक वरदान होता है।
मिट्टी को हीरा से कोहिनूर बनाना,
नीवं की ईटों का योगदान होता है।
ज्ञान का भण्डार इनके चरणों में है दोस्त,
रोम रोम इनसे प्रकाशमान होता है। -
जीवन अंश मानव चरणों में है अपर्ण,
आंख खोल देता हैकृपा निधान होता है। ,
भारत में शिक्षक का सम्मान होता है,
गुरु तेरी महिमा का वर्णन करू मैं कैसे?
वर्णन लिखूँ तो कागज छोटा पड़ जाए,
तेरे सम्मान में गुरु सब शीश झुकाए..

रिद्धिमा चौधरी – कक्षा 8 'अ'

मेरी शिक्षक

इत्नी अच्छी मेरी शिक्षक
बडे जतन से मुझे पढ़ाती
अगर कही हो गलती मुझसे
बड़े प्यार से मुझे सिखाती

समृद्धि सिंह – कक्षा 1 'अ'

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए |
मातपिता से पहले आता-,
जीवन में सदा आदर पाता |

सबकी मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे |
कभी रही नहीं दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथ दर्शक है जो |
मेरे मन को भाता, वह मेरा शिक्षक कहलाता |

कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर, मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उस जैसी बन पाती, जो मेरा शिक्षक कहलाता ।

वृंदा - कक्षा 9 'अ'

के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

सुनो लड़कियों ...!

खूब कमाना
ताकि कोई मार सके ना ताना ,
अपनी मर्ज़ी की बिंदी चूड़ी पायल लाना।
जैसा चाहे वैसा,अपने आपको सजाना ,
तुम्हारी कमाई से, तुम्हारे आत्मविश्वास से ,
ये चीजें तुम पर और फबेंगी।
"पति की कमाई पर ऐश करती है"
ऐसा तंज न फिर किसी की जबान कसाएगी।
एक प्यारी सी मुस्कान भी होठों पर जरुर सजाना ,
सुनो लड़कियोंखूब कमाना .....
वो,जिन्होंने छोड़ दिए अपने कहीं पीछे ,
तुम्हें सफलता की सीढ़ी पर चढ़ाने के लिए,
वे आँखे जो रतजगा करती रहीं।
तुम्हारी परीक्षा के दिन,
तुम्हें झपकी से जगाने के लिए,
वे हाथ जो दुआ मांगते रहे,
बस तुम्हें जीवन में आगे बढ़ाने के लिए ,
उन दो जोड़ी झुरियों वाले नैनों को,
अब तुम भी जीवन के हर सुख और रंग दिखाना। सुनो लड़कियो ...
माना जिम्मेदारियां बहुत है तुम पर,
तुम काम के लिए बाहर नहीं जा सकती !!
इस डिजिटल दुनिया में असीमित साधन है,
तुम इन तकनीकों को ही हथियार बनाना,
सिलाई, कढ़ाई, नृत्य, शिक्षण , पाककला और
लेखन भी ...
आत्मनिर्भर होने की जंग में,
तुम जैसे चाहो जीत जाना ।
अपने हुनर को आगे पहुंचाकर,
अपनी कमाई पर तुम भी इतराना।
चाहे सैकड़ों कमाओ या हजारों,
देखना एक अलग ही खुशी पाओगी ...
नए भारत की परिभाषा ,
हॉ तुम ही कहलाओगी . . .
सुनो लड़कियों ...
इसे पढ़कर भूल न जाना,मंजिल मिलेगी ,
तुम बस कदम आगे बढ़ाना।
सुनो लड़कियो ...

जमाल फातमा – 11 'ब'

शिक्षक

शिक्षक यूं ही नहीं महान कहलाते हैं,
इन्हें हर बारीकी का ज्ञान होता है।
शिष्य जो भी छोटी बड़ी गलती करें,
हर गलती का समाधान इनके पास होता है।
छोटी सी उम्र में कितना सब कुछ सिखाते हैं,
यह हमें जीवन जीने का मार्ग दिखाते हैं।
शिक्षक .....
हिंदी, संस्कृत, गणित, विज्ञान आदि विषयों को पढ़ाते हैं ,
वह अपने ज्ञान से घर घर रोशनी फैलाते हैं।
खुद चांद बनकर आसमान के तारों को ,
अनुशासित व शिक्षित बनाते हैं।
शिक्षक .....
अज्ञानता के काले बादलों को हटाकर,
सूरज सी ज्ञान की किरनें फैलाते हैं।
जो हमें सदैव सत्य के मार्ग पर चलाएं ,
वही तो हमारे असली गुरु कहलाते हैं।
लाख शैतानियों के बाद भी,
वह हमें माफ कर पढ़ाते हैं,
इसलिए तो शिक्षक भगवान का रूप कहलाते हैं।

दीपिका गंगानिया
कक्षा 9 'अ'

मेरा अनुभव

पिछले एक डेढ-वर्षों से एक नई बीमारी आई है, जिसको कोविड-19 नाम दिया गया है| यह कोरोना वायरस से फैलता है| जब से यह बीमारी फैली है, तब से विद्यालय, मॉल, मंदिर, पार्क इत्यादि सभी सामाजिक स्थल बंद है|

विद्यालय और पार्क बंद होने से हम बच्चों का तो मानो जीवन सा ही रुक गया हो| जब पहले हम विद्यालय और पार्क जाते थे, तो अच्छे से पढाई करते और दोस्तों के साथ खेलते थे| लेकिन अब तो हम बच्चे मानो पशुओं की तरह घर में कैद हो गए है| अब हमें समझ आता है कि इस प्रकार घरों में कैद होना कितना मुश्किल कार्य है। जिस प्रकार हमें अपनी आजादी पसंद है उसी तरह जीव-जंतुओं और पशुओं को भी अपनी आजादी पसंद होती होगी।

इस विकट समय से हमें शिक्षा लेनी चाहिए कि हमें सब जीवों को उनकी स्वतंत्रता सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। अंत में मेरी भगवान से प्रार्थना है, कि वो जल्दी से हमें हमारे पुराने दिन लौटा दे|

धैर्य शर्मा - कक्षा 5 'ब'

के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

बेटा - बेटी

बेटा तन है, बेटी मन है
बेटा वंश है, बेटी अंश है
बेटा आन है, बेटी शान है
बेटा मान है, बेटी गुमान है
बेटा वारिस है, बेटी पारस है
बेटा संस्कार है, बेटी संस्कृति है
बेटा भाग्य है, बेटी विधाता है
बेटा दवा है, बेटी दुआ है
बेटा शब्द है, बेटी अर्थ है

माही गोयल - कक्षा 1 'अ'

मां

प्यारी जग से न्यारी माँ
खुशियाँ देती सारी माँ
चलना हम सिखती माँ
मंजिल हमें दिखाती माँ

सबसे मीठा बोल है माँ
दुनिया में अनमोल है माँ
खाना हमें खिलाती माँ
लोरी गा कर सुलती है माँ
प्यारी जग से न्यारी माँ
खुशियाँ देती सारी माँ

एंजल सोनी – कक्षा 4 'अ'

योग

ये है योगा
जो भी इसको करेगा, वो स्वस्थ होगा |
ये है योगा
जो भी रोज करेगा, लाभ उसे होगा |
ये है योगा
आसन जो करेगा, उसका विकास होगा |
ये है योगा
जो जोर से हसेगा, उस्का खून बढ़ेगा |

रणविजय चौहान - कक्षा 2 'ब'

के.वि. मुजफ्फरनगर

संस्कृत अनुभागः

नमो भगवति ! हे सरस्वति !
सन्निहितं कुरु मम चित्ते ॥ नमो ॥
हंसवाहिनि ब्रह्मवादिनि
करुणापूर्णा भव वरदे ।

मञ्जुलहासिनि नाट्यविलासिनि
लास्यं कुरु मम रसनाग्रे ॥ नमो ॥
सन्निहितं कुरु मम चित्ते ॥ नमो ॥
हंसवाहिनि ब्रह्मवादिनि

करुणापूर्णा भव वरदे ।
मञ्जुलहासिनि नाट्यविलासिनि
लास्यं कुरु मम रसनाग्रे ॥ नमो ॥

सदाचारः

सतां आचारः सदाचारः इत्युच्यते। सज्जनः विद्वांसो च यथा आचरन्ति तथैव आचरणं सदाचारो भवति। सज्जनाः स्वकीयानि इन्द्रियाणि वशे कृत्वा सैव सह शिष्टतापूर्वकम् व्यवहारः कुर्वन्ति। ते सत्यं वदन्ति, मातुः पितुः गुरूजनानाम् वृद्धानां ज्येष्ठानाम् च आदरं कुर्वन्ति। तेषाम् आज्ञां पालयन्ति, सत्कर्मनि प्रवृत्ता भवन्ति।जनस्य समाजस्य राष्ट्रस्य च उन्नत्यै सदाचरस्य महती आवश्यकता वर्तते। सदाचरस्याभ्यासो बालकालदेव भवति।सः विनीतो,बुद्धिमान् च भवति ।ये सदाचारिणः संसारे भवन्ति ,ते एव सर्वत्र आदरं लभन्ते ।यस्मिन् देशे जनाः सदाचारिणो भवन्ति तस्यैव सर्वतः उन्नतिर्भवति ।अतएव महर्षिभः,"आचारः परमो धर्मः इत्युच्यते।"

अनुपम गोस्वामी - कक्षा 6 'अ'

मम मात्रभूमिः

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी मातृभूमि जन्मतः आरभ्य मृत्युपर्यन्तम् अस्माकं रक्षणं पोषणं च करोति " 'माता भूमिपुत्रोऽहं पृथिव्याः :' इति वेदवाक्यम् अस्ति । मातृभूमि सर्वैः नरैः वन्दनीया भवति । येन केन प्रकारेण भातृभूमेः रक्षणं करणीयम् ।

मोहम्मद अकदस – कक्षा 8 'ब'

वृक्षः

वृक्षाः जनाः स्वच्छम् वायुः ददाति | वृक्षाः पर्णैः पुष्पैः च शोभन्ते । अस्य वर्ण हरितः भवति | वृक्षः प्राणरहिता : न तेषामपि प्राणोऽस्ति : जडपदार्थ| तेऽपि रोगग्रस्ता भवन्ति । वृक्षाः पादै पातालं स्पृश्यन्ति :| वृक्षाः पादै (मूलैः) : जलं पिबन्ति| वृक्षे काकः, चटकश्रमन्ति मधुपनि च कुर्वन्ति। वानराः वृक्षेषु :थर्मेन च तिष्ठन्ति वृक्षेषु भ्रमरा : कूर्दन्ति । वृक्षे फलानि विकसन्ति । जनाः वृक्षाणां फलानि भक्षन्ति । वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति ।

मोहम्मद अकदस – कक्षा 8 'ब'

संस्कृतभाषायां केचन उत्तमाः श्लोकाः

1. प्राता रत्नं प्रातरित्वा दधाति ।

अर्थ : प्रातःकाल उठने वाले अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त करतें है ।

2. अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन ।

अर्थ : धन से अमरत्व प्राप्त नहीं किया जा सकता

3. विवेकख्यातिरविप्लवा हानोपायः।

अर्थ :निरंतर अभ्यास से प्राप्त निश्चल और निर्दोष विवेकज्ञान हान)अज्ञानता (का उपाय है।

4. संधिविग्रहयोस्तुल्यायां वृद्धौ संधिमुपेयात्।

अर्थ : यदि शांति या युद्ध में समान वृद्धि हो तो उसे शांति का सहारा लेना चाहिए। (राजा को)

दीपांशु - कक्षा 7 'अ'

अहम् नमामि

अहम् नमामि मातरम् ।
गुरुम् नमामि सादरम् ।
स्वयं पठामि सर्वदा ।
प्रियं वदामि सर्वदा ।
हितम् करोमि सर्वदा ।
शुभम् करोति सर्वदा ।
प्रभुं जपामि सादरम् ।

वंश कुमार – कक्षा 7 'अ'

जीवन- सूत्रम्

लोभः पापस्य कारणम् ।
व्यवहारेण मित्राणि जायन्ते ।
मातृ देवो भवः।
पितृ देवो भवः ।
मौनः स्वार्थं साधनम् ।
जननी जन्मभूमिश्च गरीयसी ।
परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम् ।
सत्यमेव जयते।
लोभः स्वार्थं विनाशयति।

अलीजा कक्षा 6 'अ'

शास्त्रीय लेखा:

संस्कृतं जगतः एकतमा अतिप्राचीना समृद्धा शास्त्रीया च भाषा वर्तते। संस्कृतं भारतस्य जगतः वा भाषास्खेलतमा प्राचीरत्मा। संस्कृता वाक, भापती, सुरभारती, अमरभारती, अमरवाणी, सूरवाणी, गीर्वाणवाणी, देववाणी, देवभाषा, देवीबाल इत्यादिभिः नामभिः एतद्भाषा प्रसिद्धा ।
भारतीय भाषास बाहलौर संस्कृत शब्दाः उपयुक्ताश संस्कृतात् एत अधिका भारतीयभाषा उदभृताः । तावदेव भारत-यूरोपीय- भाणवर्गीयाः 'अरेका: भाषा : संस्कृतप्रभावं संस्कृतशब्द प्रादुर्य च प्रदर्शभक्ति 8 व्याकरणेन सुसंस्कृता भाषा जनारां संस्कार प्रदाभिनी भवति ।
'अष्टाध्यायी' इति नामरे महर्षियाणिनेः विरचना जगतः सर्वासां भाषाणां व्याकरणग्रन्थेष अन्यतमा, वैयाकरणानां भाषाविदां भाषाविज्ञाविश य प्रेरणास्थानं इवास्ति ।

सुमश त्यागी - कक्षा 6 'अ'

भारतस्य राष्ट्रध्वजः

राष्ट्रीय ध्वजः राष्ट्रस्य संकेतः । अप्रभाति राष्ट्रीय "स्वजे नमः रंगाः सन्ति । इयं त्रिरंगी भारतवर्षभ परिचयं शाययति। अभं ध्वजः अरोप मनोरभः । यह उगे लेसररंग, मध्ये धमालः रंगः, अधोदेशे हरितः रंगः रा विन्यस्ता। धतयांशस्य मध्ये अशोक चक्रं वर्तते। अशोकनले अराणां चतुस्थितिः अस्ति । तब कैसररंग तीरलस्य हमागस्य य, धवन रंगः पवित्रतामाः शान्तेः च धीतरंगः उनतेः समुहेः च रा. अशोकचक्रं शलाक्ष्य तथा प्रगतेः स प्रतीक । एमुख राष्ट्रिय महोत्सवप्रोः सारे स्वस्थाने राष्ट्रिध्वजं |
उड्डभितुं शक्नुवन्ति । स्वाधीनता दिवसः, गणतंत्र दिवसः गान्धिजयन्ती य त्रयः प्रधाराः राष्ट्रोत्सवः । अयं ध्वजः देशस्य सार्वभौमिकः प्रतीकम |

रिजा माजिद कक्षा 9 'अ'

मम विद्यालय:

1. मम विद्यालयस्य नाम केन्द्रीय: विद्यालय: अस्ति ।
2. एष: विद्यालय: नगस्य एकस्मिन सरम्ये स्थले स्थितमस्ति।
3. अस्य वातावरणम् आकर्षकम् अस्ति।
4. मम विद्यालये एक पुस्तकालय अस्ति।
5. मम विद्यालय एक: वाटिका अस्ति।
6. मम विद्यालये शताधिकम शिक्षका: शिक्षिका च सन्ति ।
7. मम विद्यालयम् अतिश्रेष्ठम् अस्ति ।
8. मम विद्यालये एक: प्रयोगशाला अस्ति।
9. मम विद्यालये प्रतिवर्ष वार्षिकोत्सव: भवति ।
10. मम विद्यालये अनेकानि वृक्षाणि सन्ति।
11. मम विद्यालयम् अतिस्वच्छ अस्ति ।
12. मम विद्यालय विद्यार्थीन: केवलं पठन्ति अपितु अनेक कार्यम् अपि कुर्वन्ति।
13. अयं विद्यालय: अस्माकं गौरवास्पदम् अस्ति ।
14. विद्यालये प्रतिसप्ताहे बालसभा आप आयोजयते ।

अनन्त चौधरी – कक्षा 7 'अ'

वनानां महत्वम्

वनं काननं अरण्यं इति नाम्ना प्रसिद्धं स्थलं भौगोलिक रीत्याअत्यावश्यकम् अनिवार्यं च । उन्नतवृक्षै: गुल्मै: भयंकर जीवजन्तुभि: अवृत: विस्तृत भूभाग हि वनम् इति संज्ञां लभते। भूमण्डले वनानि प्राणिनां बहुपकारं कुर्वन्ति । इमानि औषयानां स्रोत: एव ।विविधा: वृक्षा: अस्मभ्यं सर्वप्रकारेण अनेकानि वस्तुनि यच्छन्ति । पर्यावरण संतुलने तु वनानां योगदानं अवर्णनीयं अस्ति। वन्य जन्तुनाम आवास स्थानम इदम् काननं । वनै: जन्तव: तथा जन्तुभि:, वनानि शोभन्ते । वनेषु विभिन्न प्रकाराणि वनानि दृश्यन्ते। कानिचन शुष्कानि अपराणि च सदा आद्राणि। ऋतुनां अनेकेषु रूपेषु परिवर्तनं, उचित समये वर्षागमनं च इत: अपि लाभदायकानां योगदाने वनानि अग्रेससराणि अध्ययनार्थं शोधकार्यार्थं च वनं तु अक्षयपात्रम् इव लक्ष्मते । वनानि प्राणवायो: उत्पादन अत्यधिकं सहाय्यं कर्वन्ति।

रितिका – कक्षा 9 'अ'

परोपकार:

परेषां उपकाराय कृतम कर्म उपकार : कथयते । अस्मैन जगति सर्वेजय: स्वाली भं सुखं वाचति। अस्थिर एवं जगति स्त्राविधा: अपि ज्या: सन्तिये आत्मान: अकल्याणं कृत्वाऽपि परेषां कल्याणं कुर्वन्ति । ते स्वम् गरोपकारिण: सन्ति । मरोपकार: दैव भाँव: अस्ति। अस्य भावस्य उदमेर सब समाजस्य देशस्य च प्रगति भन अचेतना: परोपकर्माणि रता: दृश्यन्ते । मेया: परोपकाराम जलं वहन्ति निद्य: आदि स्वलीय जलं न स्वयं पिबन्त। वृक्षा: परोपकाराय एष फलानि ददूति एवं हि सज्जरा: परोपकाराय एष जीवरम् धारयन्ति आत्मार्थ, जीवलफ़डाएमेर को म जीवति मखा: । परं परोपकारार्थ यो जीवति स जीवति ॥

रिद्धिमा मलिक – कक्षा 8 'अ'

मातृभाषा दिवस

पृथ्वी दिवस

ऑनलाइन नमामि गंगे प्रतियोगिता

जल संरक्षण

हिंदी पखवाड़ा

हिन्दी
दिवस
क ख अ आ
ग घ इ ई

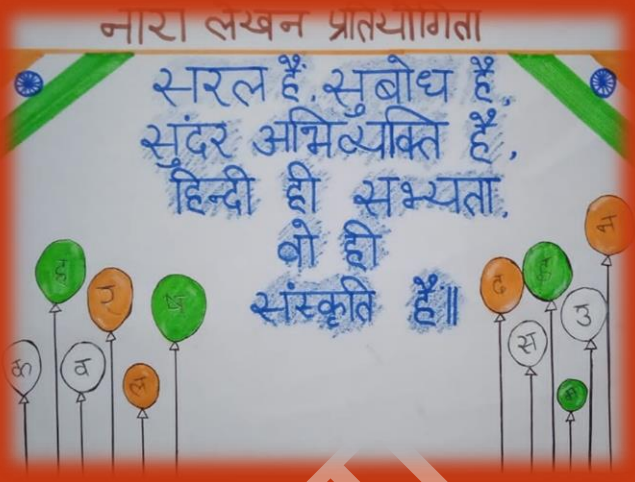
नारा लेखन प्रतियोगिता
सरल हैं, सुबोध हैं,
सुंदर अभिव्यक्ति हैं,
हिन्दी ही सभ्यता,
वो ही
संस्कृति हैं॥

केन्द्रीय विद्यालय
मुज़फ़्फ़रनगर
हिन्दी टंकण
कार्यशाला
(दिनांक- 21-09-2021)

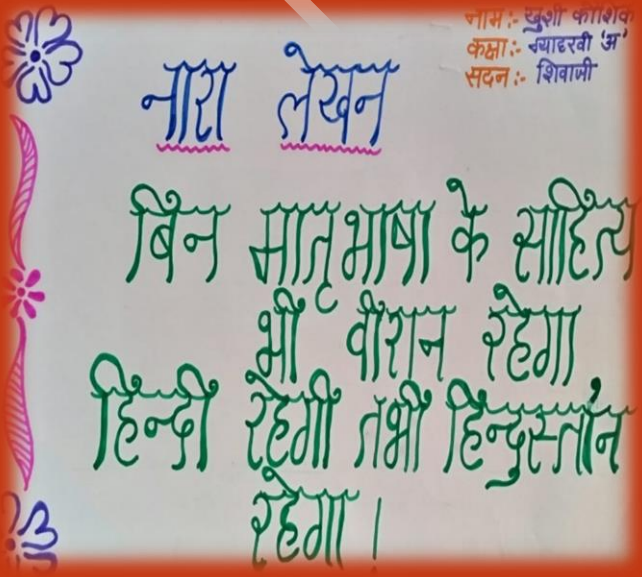
नारा लेखन
बिन मातृभाषा के साहित्य भी वीरान रहेगा
हिन्दी रहेगी तभी हिन्दुस्तान रहेगा।

मज़दूर दिवस

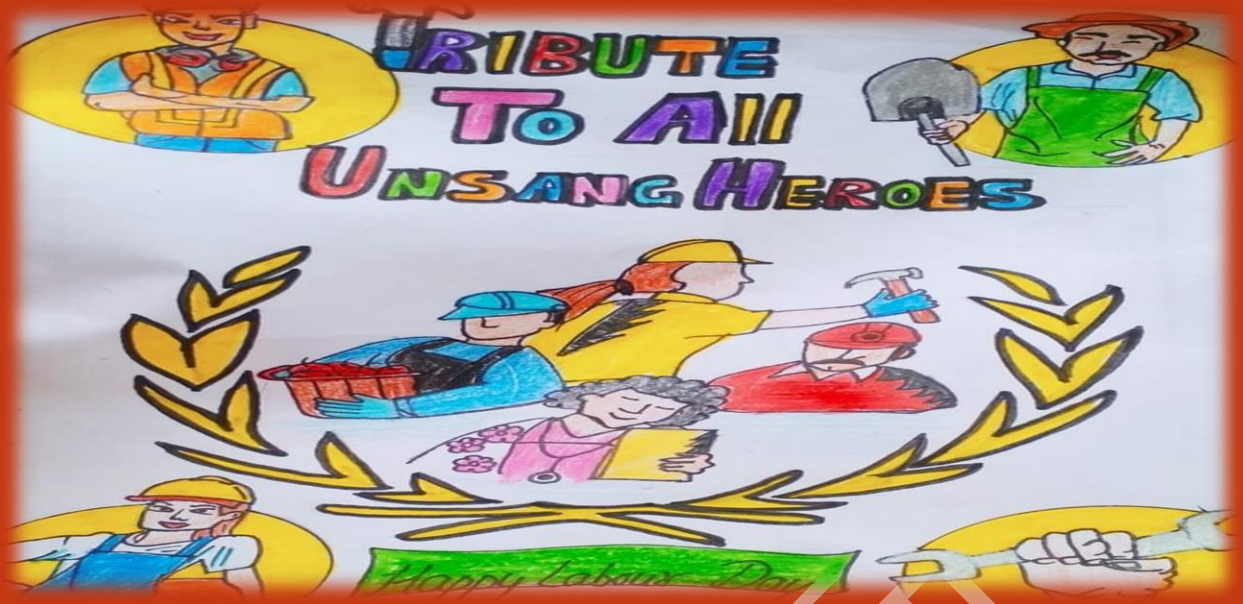

TRIBUTE
To All
UNSANG HEROES

1
MAY
INTERNATIONAL
LABOUR DAY

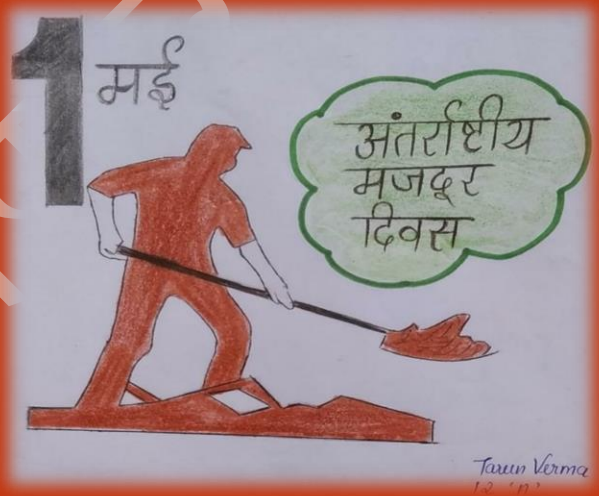

1 मई
अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस
Tarun Verma

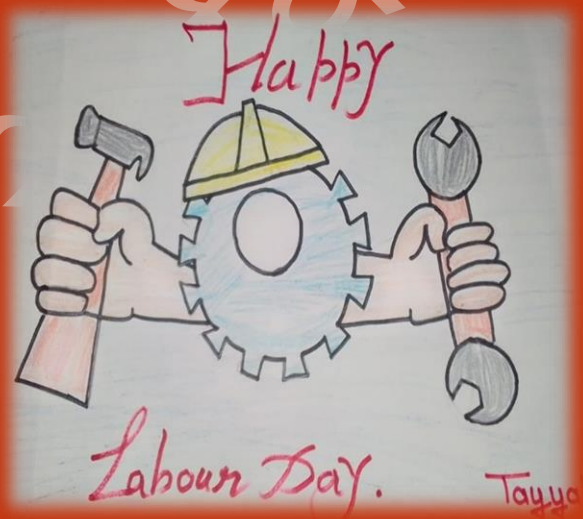

Happy
Labour Day.

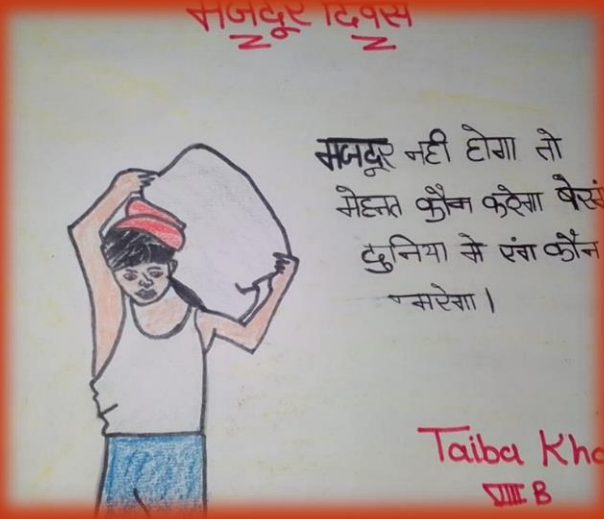

मजदूर दिवस
मजदूर नहीं होगा तो मेहनत कौन करेगा
दुनिया में रंग कौन भरेगा।
Taiba
VIII B

पोस्टर लेखन प्रतियोगिता

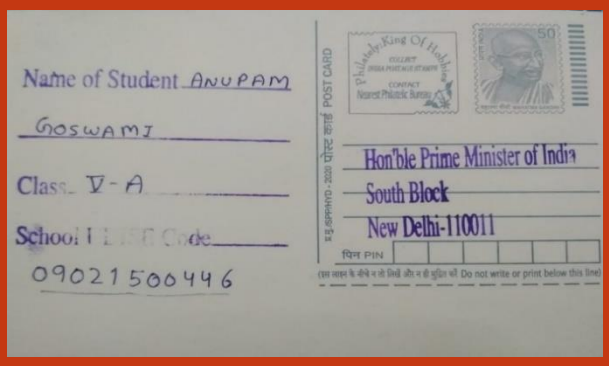

Name of Student ANUPAM GOSWAMI

Class V-A

School [illegible] Code 09021500446

Hon'ble Prime Minister of India

South Block

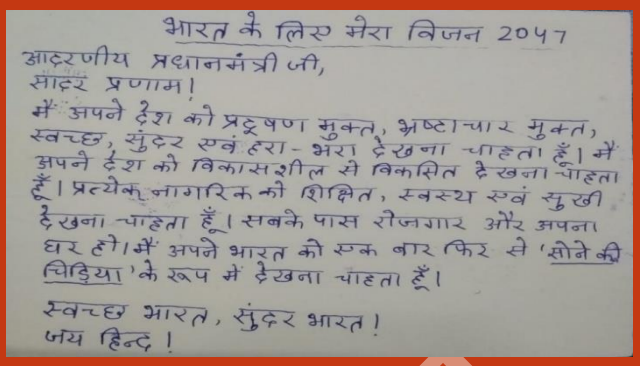

New Delhi-110011

भारत के लिए मेरा विजन 2047

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

सादर प्रणाम!

मैं अपने देश को प्रदूषण मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त, स्वच्छ, सुंदर एवं हरा-भरा देखना चाहता हूँ। मैं अपने देश को विकासशील से विकसित देखना चाहता हूँ। प्रत्येक नागरिक को शिक्षित, स्वस्थ एवं सुखी देखना चाहता हूँ। सबके पास रोजगार और अपना घर हो। मैं अपने भारत को एक बार फिर से 'सोने की चिड़िया' के रूप में देखना चाहता हूँ।

स्वच्छ भारत, सुंदर भारत!

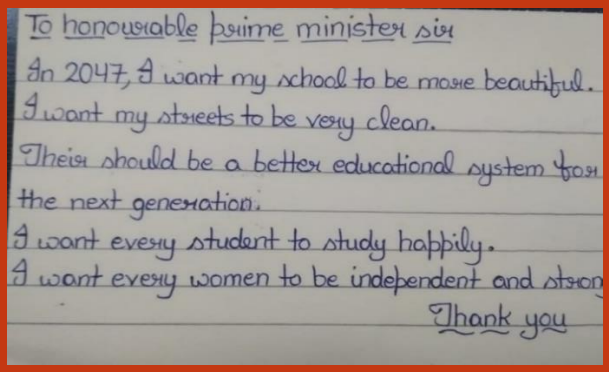

जय हिन्द!

To honourable prime minister sir

In 2047, I want my school to be more beautiful.

I want my streets to be very clean.

Their should be a better educational system for the next generation.

I want every student to study happily.

I want every women to be independent and strong

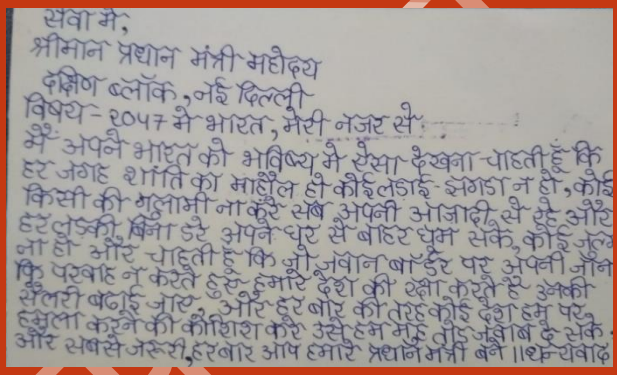

Thank you

सेवा मे,

श्रीमान प्रधान मंत्री महोदय

दक्षिण ब्लॉक, नई दिल्ली

विषय- 2047 मे भारत, मेरी नजर से

मै अपने भारत को भविष्य मे ऐसा देखना चाहती हूँ कि हर जगह शांति का माहौल हो कोई लड़ाई-झगड़ा न हो, कोई किसी की गुलामी ना करे सब अपनी आज़ादी से रहे और हर लड़की बिना डरे अपने घर से बाहर घूम सके, कोई जुल्म ना हो और चाहती हू कि जो जवान बॉर्डर पर अपनी जान कि परवाह न करते हुए हमारे देश की रक्षा करते है उनकी सैलरी बढाई जाए, और हर बार की तरह कोई देश हम पर हमला करने की कोशिश करे उसे हम मुह तोड़ जवाब दे सके और सबसे जरूरी, हरबार आप हमारे प्रधान मंत्री बने ।।धन्यवाद

राष्ट्रीय एकता दिवस

Arunachal
Pradesh

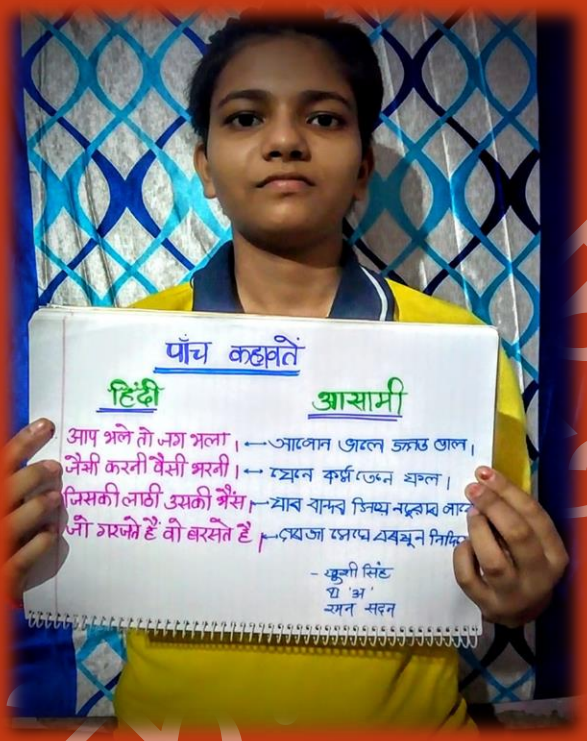

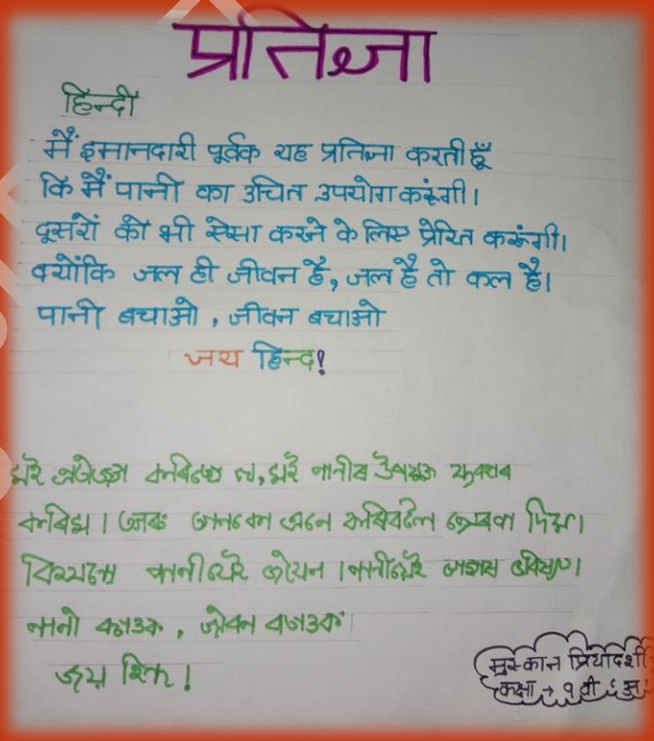

पाँच कहावतें
हिंदी
आसामी
आप भले तो जग भला।
जैसी करनी वैसी भरनी।
जिसकी लाठी उसकी भैंस
जो गरजते हैं वो बरसते हैं

प्रतिज्ञा
हिन्दी
मैं इमानदारी पूर्वक यह प्रतिज्ञा करती हूँ
कि मैं पानी का उचित उपयोग करूंगी।
दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करूंगी।
क्योंकि जल ही जीवन है, जल है तो कल है।
पानी बचाओ, जीवन बचाओ
जय हिन्द!

स्वच्छता अभियान

hemant Kumar 7b
gandgi mukt Bharat

gandgi mukt bharat
pe poster
NAME: SHIVANSH
LASS: VI
OLL NO: 27

ENGLISH SECTION

My Mother 'A Super Hero'

My Mother is A Super Hero
I will explain how
She looks so simple, bright like a twinkle
Never show any wrinkle, have two beautiful dimples,
She gets up early in the morning,
Looks after our whole living,
Sometimes she becomes our cook,
Sometimes care taker
I can read her as she is my open book
Shows level of enthusiasm,
She is a cook doctor teacher
Sometimes she shouts and slaps
Then she cries along with us,
No one can pay of her
No one can tribute
She is the statue of love
She is the statue of motherhood
My Mother is A Super Hero
I will explain how

HAIQA TANVEER – CLASS 5 'A'

OUR EARTH

The earth is ours to enjoy.
For every little girl and boy.
But we must always be aware.
That all its beauty we must share.
With all the children yet to come.
Who want to laugh, play, and run?
Around the trees and it in the fields.
So, we must keep our planet free.
From messy trash and debris.
With air that's clean, fresh and clear.
For all to breath from year to year.
We must never ever abuse.
Our sweet earth that's our to use.

Aarav - Class 6 'A'

MY SHADOW

I have little shadow that goes
In and out with me.
And what can be the use of him is
More than I can see.
He is very like me from the
Heels up to the head.
And I see him jump before me,
When I jump into my bed.
The funniest thing about him is the way
He likes to grow.
Not at all like proper children which is
Always very slow.
For he sometimes shoots up taller like
An Indian rubber ball.

AVNI - CLASS 5 'A'

PATRIOTISM

Patriotism "- Patriotism means love for one's country. A patriot is ready to sacrifice everything for the love of his country. Mahatma Gandhi, Sardar Bhagat Singh and Swami Vivekananda were among great patriots. It is not, however, the same thing as nationalism. A nationalist wants his country to dominate other countries. A patriot respects the rights of other nations. The nationalist says: "My country, right or wrong". A patriot says, "My country, may she always be right". A patriot is, therefore, a man of high character who believes in the idea of 'Vasudhev Kutumbakam' which means that the whole world is a family. It has been rightly said: "Not but only men can make a nation great and strong. Men who for truth and honour's sake stand fast and suffer long."

Mohammad Aqdas – CLASS 8 'B'

THOUGHTS

- **Education is the most powerful weapon, which you can use to change the world.**
- **There is NO elevator to SUCCESS; you have to take the STAIRS.**
- **Education is what remains after one has forgotten everything he learned in school.**
- **In any moment of decisions, the best thing you can do is the right thing. The worst thing you can do is nothing.**

SHAGUN DHIMAN - CLASS 6 'A'

POEM

I found a pen a tic tack one...
It makes sound some different one....
It lay on ground I picked it up.....
My friend said what a great stuff.....
I was surprised whose pen was it.....
Which makes the sound tik tak tik....
It must be around 10 penny...
The brand was mentioned the great Genny...
I still love the tik tak pen....
I should return it to whom had brought it.....

Avika Malik - Class 8 'A'

Allow Yourself

Allow yourself to dream,
And when you do, dream big
Allow yourself to learn
And when you do, learn all you can
Allow yourself to laugh
And when you do, share your laughter
Allow yourself to set goals
And when you do, reward yourself as you move forward
Allow yourself to be determined
And when you do, you will find you will succeed
Allow yourself to believe in yourself
And when you do, you will find self confidence
Allow yourself to lend a helping hand
And when you do, a hand will help you.
Allow yourself relaxation
And when you do, you will find new ideas.
Allow yourself love
And when you do, you will find love in return
Allow yourself to be happy
And when you do, you will influence others around you.
Allow yourself to be positive
And when you do, life will get easier.

Mohammad Aqdas - Class VIII 'B'

MY MOTHER

Mother is the God on the earth,
She gave me birth.

She is very powerful,
And always to me careful.

She is my first teacher,
And she makes bright my future.

She is very thoughtful,
And she makes my life beautiful.

She does all the things to me,
She is very precious to me.

I pray to god that my mother always be happy and healthy.

Anupam Goswami – Class 6 'A'

Exams aren't the worst

Exams aren't the worst,
They sometimes might burst your brain.
But the truth is that they are the door of success,
Which you can open by the key of knowledge.
Don't become the prisoner of them,
Rule the world with them.

Aditya – Class 8 'A'

MOM

Mom is such
A special word
The loveliest
I've ever heard,
I trust you,
Above all the rest
Mom, you are so special
You are simply, the best.

Payal Rathi – Class 8 'B'

I'm BLACK

Is being black a bad thing?
If you live in India and you are black there are 69percent chances that you must have faced people's comments about your black skin color. We Indians still think that white skin color is the best skin color and it's not even our fault, it is because of colonization.
Parents are not caring about the bad grades of their child but they are more concerned about their child's skin color. Most parents think that white skin color is the sign of beauty. If you are not white you are not beautiful. This mindset is really wrong and needs to be changed.
We should understand that we are Indians and we shouldn't be ashamed of our skin color.
Both black and white people are equal. They, both have 2 kidneys, 2 eyes and 2 ears.
"Beauty doesn't lie in the skin color; it lies in the knowledge, behavior and habits."

Dipanshu – Class 8 'A'

LIFE

Life is an opportunity, benefit from it.
Life is a beauty, admire it.
Life is a bliss, taste it.
Life is a dream, realize it.
Life is a challenge, meet it.
Life is a duty, complete it.
Life is a game, play it.
Life is costly, pay for it.
Life is wealth, keep it.
Life is love, enjoy it.
Life is a mystery, know it.
Life is a promise, fulfill it
Life is a sorrow, overcome it.
Life is a song, sing it.
Life is a struggle, accept it.
Life is a tragedy, confront it.
Life is an adventure, dare it.
Life is luck, make it.
Life is too precious, do not destroy it.
Life is life, fight for it.

Divyansh Singh – Class 7 'B'

Why me?

If you have to ask Why me?
When you're feeling really blue,
When the world has turned against you
And you don't know what to do,
When it pours colossal raindrops
And the road's a winding mess,
And you're feeling more confused
Than you ever could express,

When the saddened sun won't shine,
When the stars will not align,
When you'd rather be
Inside your bed,
The covers pulled
Above your head,
When life is something
That you dread
And you have to ask Why me?

Then when the world seems right and true,
When rain has left a gentle dew,
When you feel happy being you,
Please ask yourself Why me? Then, too.

Vrinda - class 10 'A'

के. वि. मुजफ्फरनगर

Konark sun temple

The konark sun temple is located in Puri, Odisha, India. The name konark is of two Sanskrit words: kona, meaning corner and arka, meaning Sun.The two get its name from its geographical location which makes it look like the Sun rises at an angle. The history of Konark Sun Temple and Sun worship goes as far back as the 9th century.The Konark Sun Temple was built in the 13th century. The Konark Temple was built by king Narasimha Deva in 1244 to worship Surya, the Sun God. Konark was chosen as its place of construction because it has been described as the holy seat of Surya in various ancient texts. Konark was the place where the first Sun Temple was constructed.The inside of Konark Temple is as glorious and magnificent as it is made to be. Its architecture has all the defining elements of the Kalinga architecture - it includes Shikhara (Crown), Jagmohana (Audience hall), Natmandir (Dance hall) and Vimana(tower). Several legends mention that the architecture of the Konark Surya Mandir is so accurate and intricate that the day's first light fell on the image of Surya in the Sanctum Sanctorum of the temple, known as the Garbha Griha.

Ridhima Saini – Class 8 'A'

Books

Books are, by far, the most lasting product of human effort. Temples crumble into ruin, pictures and statues decay, but books survive. Time does not destroy the great thought which are as fresh today as when they first passed through their author's mind years ago. What was then through and said still speaks to us vividly as ever from the printed pages. Nothing in literature can long survive but what is really good. Books introduce us into the best society they bring us into the presence of the greatest minds that have even lived, we move in their company and their experiences become ours. Without books no cultured society is possible. No wonder that the world keeps its books with great care.

Anshu - Class 8th 'A'

Everybody

Has a name
Some are different
Some are same
Some are short
Some are long
All are right
None is wrong,
I like my name
It's special to me
It's exactly who
I want to be!

Kunal Gautam – Class 9 'b'

A MOTHER JUST LIKE YOU

I just want to let you know,
You mean the world to me.
Only heart as dear as yours,
Would give so unselfishly.
The many things you done,
All the times that you where there.
Help me know deep down inside,
How much you really care.
Even though I might not say,
I appreciate all you do.
Richly blessed is how feel,
Having a mother just like you.

Ridhima Chaudhary – Class 9 'A'

POETS AND POEMS

It matters not if you are black or white,
The discoverer of poetry was neither black nor white,
Poetry is a creation gift, this remember as you write,
A poet is a painter, potter, we see this whenever you write,
A poem is a piece, poetry is art,
This you must never ever forget,
Lines in poem should never lack connection,
A rhyme and lines should have a connection,
Not every poem should rhyme,
But a poet should have the ability to rhyme,
A poem can be written or spoken,
Sadly most poems are written then spoken,
A poem can be about a forest, weather or anything,
But this does not mean a poet knows everything,
A couplet are two lines in a poem,
Meaning a sonnet is a 7-couplet poem,
A poem can be in any language,
Meaning English is not poetry's official language,
A poem can be full of emotions or humor,
A poem can also be full of drama,
To be a good poet, one has to read,
Poets have a lot of wisdom so please read,
Though people do not clap, take it not to heart,
For a poem's purpose is to speak to a heart!
A poet has to know and count syllables,
Certain poems possess certain number of syllables,
For example, a sonnet's line has a stressed second syllable,
This you are going to miss, if you do not know a syllable,
A syllable can be stressed or unstressed, for example DELIGHTED,
Both a stressed and unstressed syllable are in delighted,
Acrostic, ghazal, haiku are examples of poems,
Do not be restricted to one, there are many poems,
A poem can be a sonnet, acrostic
Knowing to mix types of poems makes a poem classic,
You can only mix perfectly if you know,
But remember a poem should come from the soul. **Manya Johri – Class 9 'A'**

The Missile Man of India

You must have heard the name of A.P.J. Abdul Kalam, the former President of India. He was born on 15th October 1931, at Rameshwaram, in Tamil Nadu. He belonged to a poor family. The main income of his family was from ferrying the pilgrims across the sea between Rameshwaram and Dhanushkodi. The family of Abdul Kalam lived comfortably, till a strong cyclone lashed the shores of Rameshwaram. The storm destroyed their boat, which was their only source of income.

The young Abdul Kalam did not lose his heart. He wanted to help his family. He saw that there was a great demand for tamarind seeds. The decided to collect tamarind seeds and sell them to a nearby shop. For this, he was paid a little amount of money. He took the popular Tamil newspaper 'Dinamani' to the allotted area for sale.

This way he also earned some money to help his family. His dream was to help his family and to become a scientist. As a student too, he faced many hardships. He faced those challenges bravely. He specialised in Aeronautical Engineering from Madras Institute of Technology (MIT) and Dr. Abdul Pakir Jainulabdeen Abdul Kalam became a great scientist.

He worked in DRDO in 1958 and the joined ISRO in 1963. He made significant contribution to Indian satellite and in missile programme of DRDO. As Project Director SLV-III, he contributed for the design, development and management of India's first indigenous satellite launch vehicle (SLV-III) to inject Rohini satellite in the near earth obrit. His greatest contribution was in the field of missiles, Agani, Prithvi, Akash, Trishul and Nag missiles have become household names in India.

Mohd Rihan Yawar - Class: 12 'A'

JOKES

1. **An old man had eight hair on his head. He went to a barbershop. Barber in anger asked: shall I cut or count?**

   Old man smile and said:"colour it"

   Life is to enjoy with whatever you have with you.

2. **Science teacher: Oxygen is necessary for breathing and for life. It was discovered in 1773.**

   Student: Thank God!

   I am born after 1773 otherwise; I would have died without it.

3. **Teacher to students: you must sleep atleast 7 hours a day.**

   Students: Impossible sir,

   School is only for 6 hours!

Nashra Fatma – Class 12 'C'

A smile is quite a funny thing.
It wrinkles up your face.
And when it's gone
You'll never find
It's secret hiding place.
But far more wonderful it is
To see what smile can do.
You smile at one,
He smiles at you,
And so one smile
Makes two.

Nashra Fatma – Class 12 'C'

SUPW कॉर्नर

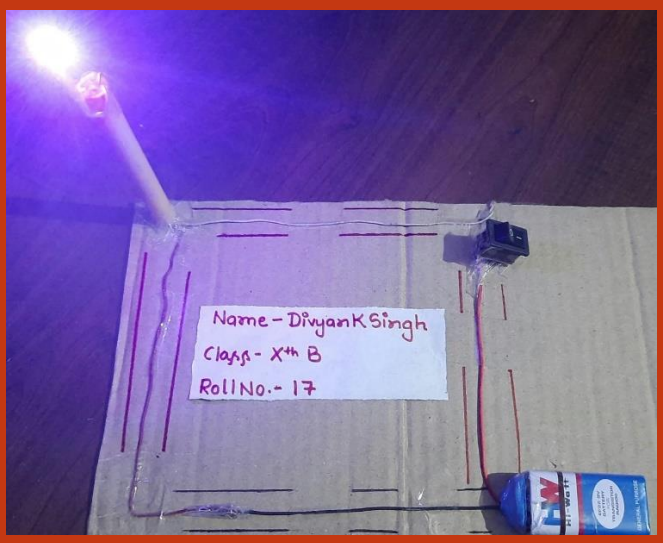

खेलकूद गतिविधियां

MAKE WAY TO A HEALTHY LIFE
DON'T GO THE FAST FOOD WAY
DRINK MORE WATER
BELIEVE IN YOURSELF
USE ME

Happy Sports Day
SPORTS DAY
Made by – Naina Dhiman
X th 'B'

INDIA AND SPORTS

आर्ट कॉर्नर

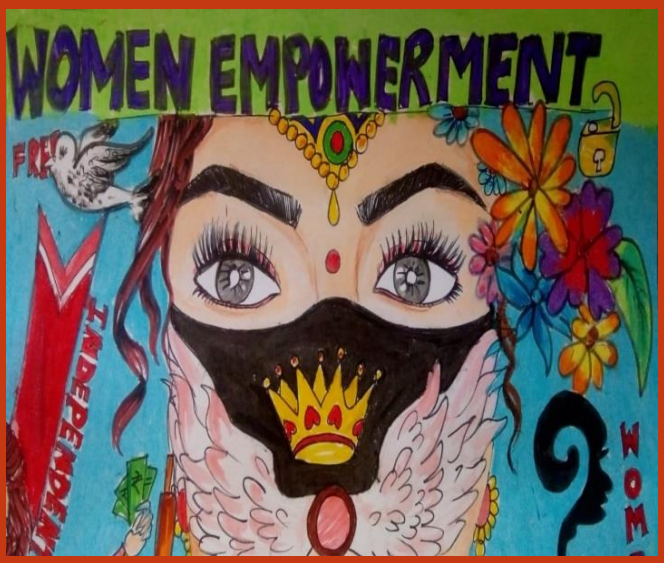

सी. एम. पी. कॉर्नर

कंप्यूटर कॉर्नर

गणित कॉर्नर

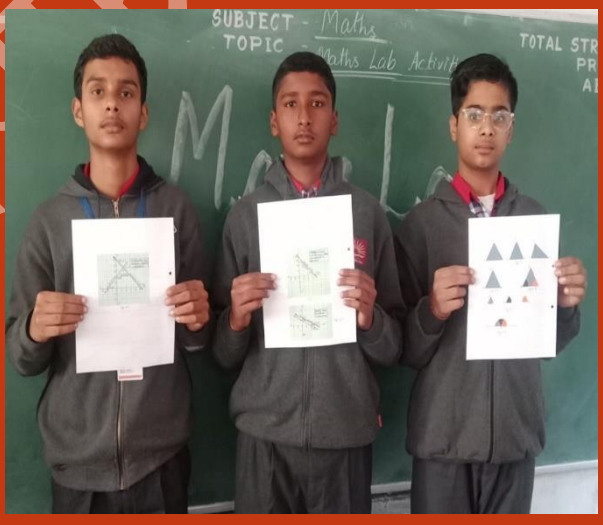

स्काउट एण्ड गाइड कॉर्नर

पुस्तकालय कॉर्नर

केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर
पुस्तक प्रदर्शनी
हिन्दी पखवाड़ा
सितम्बर 14 से 28 तक
हिन्दी है जन-जन की भाषा,
हिन्दी है हम सब की भाषा।

BOOK MARK
BOOK MARK
just One more CHAPTER Let's Read

एन.सी.सी. कॉर्नर

इतिश्री.....